लखनऊ

गुरुवार, 19 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 207

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"रिश्तों की मजबूती दूरी से नहीं, भरोसे से तय होती है जहाँ विश्वास हो वहाँ फासले मायने नहीं रखते।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

भारत के एक और टैंकर ने पार की स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, यूएई से 80,800 मिट्रिक कच्चा तेल लेकर भारत पहुंचा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे संवेदनशील समुद्री मार्ग से गुजरते हुए भारत का एक और महत्वपूर्ण कच्चा तेल टैंकर सुरक्षित रूप से गुजरात पहुंच गया है। भारतीय ध्वज वाला जहाज 'जग लाडकी' यूएई के फुजैराह पोर्ट से करीब 80,800 मीट्रिक टन मुर्बन क्रूड ऑयल लेकर बुधवार को मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा। सूत्रों के मुताबिक, यह जहाज रविवार को फुजैराह से रवाना हुआ था। लोडिंग के दौरान शनिवार को फुजैराह ऑयल टर्मिनल पर ड्रोन हमला हुआ, जिससे आग लग गई और कुछ समय के लिए लोडिंग ऑपरेशंस प्रभावित हुए। हालांकि, 'जग लाडकी' और उस पर सवार सभी भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित रहे। हमले के अगले ही दिन जहाज ने सुरक्षित रूप से पोर्ट छोड़ा और बिना किसी नुकसान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर भारत पहुंच गया। यह युद्ध प्रभावित क्षेत्र से सुरक्षित निकलने वाला चौथा भारतीय ध्वज वाला जहाज है। इससे पहले, दो भारतीय एलपीजी कैरियर 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' भी शनिवार को इसी मार्ग से सुरक्षित गुजरे थे, जिनमें कुल 92,712 टन एलपीजी लदा था। 'शिवालिक' मुंद्रा बंदरगाह पहुंच चुका है, जबकि 'नंदा देवी' कांडला पोर्ट पर पहुंचा।

टीएमसी ने सभी सीटों पर किया उम्मीदवारों का ऐलान, भवानीपुर से लड़ेंगी ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी भवानीपुर से विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। ममता बनर्जी ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान विधानसभा चुनाव के लिए सभी 294 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी। टीएमसी द्वारा जारी इस लिस्ट में ममता बनर्जी समेत पश्चिम बंगाल के कई दिग्गज टीएमसी नेताओं के नाम शामिल हैं, जिन्हें उम्मीदवार बनाया गया है। बता दें कि सीएम ममता बनर्जी भवानीपुर विधानसभा सीट से भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरेंगी। वहीं, हाल ही में टीएमसी में शामिल हुए पवित्र कर को नंदीग्राम से टिकट दिया गया है, जहां उनका भी मुकाबला सुवेंदु अधिकारी से होगा। भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों विधानसभा सीटों से टिकट दिया है। इसके साथ ही सुजापुर सीट से सबीना यास्मीन, जंगीपुर सीट से जाकिर हुसैन, सागरदिघी सीट से बायरन बिस्वास, दिनहाटा सीट से उदयन गुहा चुनाव लड़ेंगे। वहीं, सिलीगुड़ी सीट से गौतम देव चुनाव मैदान में उतरे हैं। खगराम सीट से आशीष मारजीत चुनाव लड़ेंगे। करीमपुर सीट से सोहम चक्रवर्ती चुनाव लड़ेंगे। कंडी सीट से अपूर्व सरकार चुनाव लड़ेंगे। सिताई सीट से संगीता रॉय बसुनिया चुनाव लड़ेंगी। कृष्णानगर उत्तर सीट से अभिनव भट्टाचार्य चुनाव लड़ेंगे। नवद्वीप सीट से पुण्डरीकाक्ष साहा चुनाव लड़ेंगे। वहीं, हरिन्घाटा सीट से राजीव विश्वास चुनाव लड़ेंगे। स्वरूपनगर सीट से बीना मंडल चुनाव लड़ेंगी। राजगंज सीट से सपना बर्मन चुनाव लड़ेंगी। हबरा सीट से ज्योतिप्रिया मल्लिक चुनाव लड़ेंगे। कृष्णानगर नगर दक्षिण सीट से उज्जवल विश्वास चुनाव लड़ेंगे।

'राजनीति में फुलस्टॉप नहीं होता': राज्यसभा सदस्यों के रिटायरमेंट पर पीएम मोदी बोले- नए सांसदों को सीखना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा से आज कई सदस्य रिटायर हो रहे हैं। खाली होने वाली इन सीटों पर कई सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। आज राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सभी सदस्यों के संसदीय जीवन और कार्यकाल को रेखांकित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिटायर हो रहे सभी सदस्यों की भूमिका को लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने वाला बताते हुए उनकी प्रशंसा की। साथ ही विदाई सत्र में पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा कि सदन एक ओपन यूनिवर्सिटी जैसी है। नए सांसदों को हमेशा सीखना चाहिए।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि सदन के अंदर अनेक विषयों पर चर्चाएं होती हैं, हर किसी का महत्वपूर्ण योगदान होता है, कुछ खट्टे मीठे अनुभव भी

रहते हैं। लेकिन, जब ऐसा अवसर आता है, तो स्वाभाविक रूप से पार्टी की भावना से ऊपर उठकर हम सबके भीतर एक जैसा भाव प्रकट होता है कि हमारे ये साथी अब किसी और विशेष काम के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

राजनीति में कभी फुल स्टॉप नहीं होता- पीएम मोदी

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ सांसद फिर से सदन में लौट सकते हैं, जबकि कुछ सामाजिक जीवन में अपने अनुभव का उपयोग करेंगे। जो नेता अब वापस सदन में नहीं आएंगे, उनके लिए मैं कहुंगा कि राजनीति में कभी फुल स्टॉप नहीं होता, उनका योगदान हमेशा देश के लिए मूल्यवान रहेगा। पीएम मोदी ने सभी सांसदों से कहा कि दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर एक-दूसरे का सम्मान करना और अनुभव साझा करना ही लोकतंत्र की असली ताकत है।

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा की तारीफ की

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में वरिष्ठ नेताओं के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने एचडी देवेगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा संसदीय सेवा में समर्पित किया है। पीएम मोदी ने कहा कि नए सांसदों को उनसे सीखना चाहिए और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाना चाहिए।

उपसभापति हरिवंश सिंह की भी तारीफ की

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि हरिवंश जी ने सदन की कार्यवाही को शांत और संतुलित तरीके से संचालित किया, मेहनती हैं और देशभर की यात्राओं के माध्यम से अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाया। पीएम मोदी ने अपने भाषण का समापन संसद की गरिमा बनाए रखने और वरिष्ठ नेताओं से प्रेरणा लेने पर जोर देते हुए किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने में अनुभवी नेताओं का मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है।

ताजमहल की फोटो के जरिये डोनाल्ड ट्रंप सरकार ने दे दिया बड़ा ऑफर, सोशल मीडिया पर मची खलबली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अवैध प्रवासियों को लेकर अमेरिका की नई नीति ने पूरी दुनिया में बहस की आग भड़का दी है। हम आपको बता दें कि अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने एक ऐसा कदम उठाया है जिसने जहां एक तरफ सियासी हलकों में हलचल मचा दी है, वहीं आम लोगों के बीच भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने घोषणा की है कि जो अवैध प्रवासी स्वेच्छा से अपने देश लौटना चाहते हैं, उन्हें मुफ्त हवाई यात्रा के साथ करीब दो हजार छह सौ डॉलर की नकद सहायता भी दी जाएगी। इस योजना में भारत के लोग भी शामिल हैं और प्रचार के लिए ताजमहल जैसी प्रतीकात्मक तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है। इस पूरी पहल को प्रोजेक्ट होमकमिंग नाम दिया गया है, जिसकी शुरुआत पिछले साल मई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के आरंभ के बाद की गई थी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव : चुनाव आयोग के आदेश पर 13 आईएएस अफसरों का तबादला

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने बुधवार को चुनाव वाले पश्चिम बंगाल में 13 आईएएस अधिकारियों के फेरबदल का आदेश दिया। इसमें कई जिला मजिस्ट्रेटों (डीएम) को जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें चुनाव पर्यवेक्षकों के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

चुनाव आयोग की ओर से जारी एक आधिकारिक सूचना के अनुसार, जितिन यादव (कूच बिहार), संदीप घोष (जलपाईगुड़ी), विवेक कुमार (उत्तर दिनाजपुर), राजनवीर सिंह कपूर (मालदा) और आर अर्जुन (मुर्शिदाबाद) सहित अधिकारियों को डीएम-सह-डीईओ के रूप में तैनात किया गया है। इसी तरह, श्रीकांत पल्ली को नादिया का डीएम-सह-डीईओ, स्वेता अग्रवाल को पूर्व

बर्धमान, शिल्पा गोरिसरिया को उत्तर 24 परगना, अभिषेक कुमार तिवारी को दक्षिण 24 परगना, हरिशंकर पणिक्कर को दार्जिलिंग और टी बालासुब्रमण्यम को अलीपुरद्वार का डीएम-सह-डीईओ नियुक्त किया गया है।

वरिष्ठ अधिकारी ने क्या कहा

स्मिता पांडे को कोलकाता नगर निगम की नगर आयुक्त और कोलकाता उत्तर की डीईओ के रूप में तैनात किया गया है, जबकि रणधीर कुमार कोलकाता दक्षिण के डीईओ के रूप में कार्यभार संभालेंगे। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा 'ये अधिकारी स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इनमें से कई अधिकारी जिला स्तर पर चुनाव की तैयारियों और संचालन की बारीकी से निगरानी करने के लिए पर्यवेक्षक के रूप में भी कार्य करेंगे।'

'मोहब्बत हमारे साथ और शादी ...', खरगे ने राज्यसभा में ऐसा क्या कहा कि हंसने लगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को रिटायर हो रहे राज्यसभा सांसद एच.डी. देवेगौड़ा को शुभकामनाओं के साथ-साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के साथ उनके जुड़ाव को लेकर तंज कसते हुए विदाई दी। खरगे देवेगौड़ा, रामदास अठावले, प्रियंका चतुर्वेदी, तिरुचि शिवा, अमरेंद्र धारी सिंह और अभिषेक मनु सिंघवी सहित 37 सेवानिवृत्त सांसदों के लिए विदाई भाषण दे रहे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के साथ अपने 54 साल से भी ज्यादा पुराने जुड़ाव को याद करते हुए खरगे ने राज्यसभा में शादी को लेकर एक परोक्ष तंज कसा। उन्होंने इशारा किया कि जनता दल (सेक्युलर) के नेता ने एक

गठबंधन के साथ रिश्ते बनाए, लेकिन अंत में किसी और के साथ यानी पीएम मोदी के साथ जुड़ गए।

'मोहब्बत हमारे साथ और शादी मोदी जी के साथ'

खरगे ने कहा, 'मैं देवेगौड़ा को 54 साल से भी ज्यादा समय से जानता हूं और मैंने उनके साथ काफी काम किया है। बाद में पता नहीं क्या हुआ। वो मोहब्बत हमारे साथ किए, शादी मोदी साहब के साथ (उन्होंने हमसे प्यार किया, लेकिन शादी मोदी साहब से कर ली)।' कांग्रेस सांसद का इतना कहते ही सदन में मौजूद सभी लोग यहां तक कि पीएम मोदी भी जोर-जोर से हंसने लगे। उन्होंने आगे कहा, 'राजनीति और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लोग देश सेवा के जुनून के चलते न तो थकते हैं और न ही रिटायर होते हैं।' इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा से रिटायर हो रहे सांसदों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया और उनके भविष्य के राजनीतिक प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीति में कोई पूर्ण विराम नहीं होता।

चार्जिंग प्वाइंट की चिंगारी से घर में लगी भीषण आग, 7 लोगों की मौत; घर में रखे हुए थे 10 गैस सिलेंडर

इंदौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। ब्रिजेश्वरी एनेक्स कॉलोनी के एक रिहायशी मकान में भीषण आग लगने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

सहायक पुलिस आयुक्त कुंदन मंडलोई के अनुसार, आग तड़के करीब 3:30 बजे से 4:30 बजे के बीच लगी। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया। मकान से सभी शव निकाल लिए गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य पूरा कर लिया गया है।

जिला कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि आग बुझाने के बाद मकान की दो मंजिलों को पूरी तरह खाली करा लिया गया है, जबकि तीसरी मंजिल की जांच की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंदर कोई और फंसा न हो।

प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह इलेक्ट्रिक वाहन की चार्जिंग के दौरान हुआ विस्फोट माना जा रहा है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के अनुसार, घर के बाहर एक इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज हो रहा था, तभी चार्जिंग प्वाइंट में स्पार्क या ब्लास्ट हुआ और आग तेजी से फैल गई। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई, जब घर में रखे 10 से अधिक गैस सिलेंडरों में से कुछ में विस्फोट हो गया। इसके अलावा, मकान में मौजूद ज्वलनशील केमिकल्स ने आग को और भड़काया। यह मकान मनोज पुगालिया का बताया जा रहा है, जो पॉलिमर के व्यवसाय से जुड़े थे।

टपोरी की तरह व्यवहार करते हैं राहुल गांधी, उन्हें अपनी बहन से सीखना चाहिए : कंगना रनौत

नई दिल्ली, एजेंसी। BJP सांसद कंगना रनौत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तीखा जुबानी हमला बोला है। कंगना रनौत ने दावा किया कि राहुल गांधी का व्यवहार अच्छा नहीं है। उनके आते ही महिला सांसद असहज महसूस करती हैं। राहुल गांधी इंटव्यू के दौरान हूटिंग कॉल्स करते हैं। वह किसी के साथ भी तू-तड़ाक करके बात करने लगते हैं। साथ ही, कंगना रनौत ने राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी की तारीफ की और कहा कि राहुल गांधी को उनसे सीखना चाहिए। जानें कंगना रनौत ने और क्या-क्या कहा?

जब कंगना रनौत से पूछा गया कि जिस तरह से ब्यूरोक्रेट्स ने एक लेटर लिखा है और उसमें ये कहा है कि राहुल गांधी का जो आचरण है, जो एटीट्यूड है पार्लियामेंट में, वो सही नहीं है। उस पर क्या कहेंगी आप? तो

उन्होंने कहा कि हां बिल्कुल, हम महिलाओं को उनको देखकर बहुत ज्यादा अनकंफर्टेबल फील होता है क्योंकि एकदम जैसे टपोरी की तरह वो आते हैं। और किसी से भी तू-तड़ाक करते हैं। कोई इंटरव्यू दे रहा हो तो उनको वो हूटिंग कॉल्स करते हैं। हालांकि, राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी के व्यवहार की कंगना रनौत ने तारीफ की। कंगना ने कहा कि राहुल गांधी को अपनी बहन से सीखना चाहिए। उनका बिहेवियर कितना अच्छा है, लेकिन राहुल गांधी स्वयं शर्म के पात्र हैं।

भारत में सभी लोग सनातनी

वहीं, सनातन के सवाल पर कंगना रनौत ने कहा कि यहां पर जो भी हैं, सब सनातनी हैं क्योंकि हमारा जब जन्म हुआ है, सनातन मतलब जिसका ना आदि है, ना अंत। सारे रिलीजन हजार या 1500 साल पुराने हैं। सनातन ही है जो सत्य है। तो वो भी सनातनी ही हैं। अब उनको लिखने में, सत्य लिखने में क्या घबराहट? लिख दीजिए।

अब फ्लाइट में 60 प्रतिशत सीटों पर नहीं देना होगा चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि एयरलाइंस को सीट आवंटन प्रक्रिया को अधिक यात्री-अनुकूल बनाना होगा, जिसमें एक ही पीएनआर (क्वक्हक्र) पर यात्रा करने वाले यात्रियों को यथासंभव साथ या नजदीकी सीटों पर बैठाने की व्यवस्था की जाए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (ष्ठत्रष्ट्र) द्वारा जारी इन निर्देशों में यात्रियों के अधिकारों को मजबूत करने और सभी एयरलाइंस में एक समान व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया है। हालांकि, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने जैसी कोई बाध्यता स्पष्ट रूप से लागू नियम के रूप में नहीं बताई गई है; सीट आवंटन को पारदर्शी और उचित बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मंत्रालय के अनुसार, खेल उपकरण और वाद्य यंत्र ले जाने की सुविधा सुरक्षा और परिचालन नियमों के तहत पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, एयरलाइंस को पालतू जानवरों के परिवहन के लिए स्पष्ट और सार्वजनिक नीतियां जारी करनी होंगी। अन्य प्रमुख निर्देशों में उड़ान में देरी, रद्द होने या बोर्डिंग से वंचित किए जाने की स्थिति में यात्रियों के अधिकारों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना शामिल है। एयरलाइंस को अपनी वेबसाइट, मोबाइल ऐप, बुकिंग प्लेटफॉर्म और एयरपोर्ट काउंटरों पर यात्रियों के अधिकारों की जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करनी होगी। इसके अलावा, यह जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता पहुंच सके।

लोकसभा में गूँजा नोरा फतेही का 'सरके चुनर' विवाद, केंद्र ने लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही और संजय दत्त के नए गाने 'सरके चुनर' को लेकर मचा बवाल अब देश की संसद तक पहुँच गया है। बुधवार को केंद्र सरकार ने इस विवादित ट्रैक पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसके प्रसारण पर प्रतिबंध (लगाने की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' सामाजिक और सांस्कृतिक मर्यादाओं के दायरे में ही होनी चाहिए। सदन में समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहाः 'गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हमें अभिव्यक्ति की आज़ादी के तहत 'उचित प्रतिबंधों' के अनुसार काम करना चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूर्ण नहीं हो

सकती; इसे समाज और संस्कृति के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।'

यह गाना आगामी कन्नड़ फिल्म 'KD: The Devil' का हिस्सा है। रिलीज के तुरंत बाद ही इंटरनेट पर इसे लेकर भारी आक्रोश देखा गया। दर्शकों और आलोचकों ने गाने के बोल को 'यौन रूप से स्पष्ट' और दृश्यों को 'भड़काऊ' बताया था। डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाया गयाः भारी विरोध के बाद इस गाने के हिंदी वर्शन को YouTube से हटा लिया गया है, हालांकि इसके अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के वर्शन अभी भी मौजूद हैं।

सेंसरशिप की चेतावनी

गीतकार रकीब आलम ने खुलासा किया कि उन्होंने मूल कन्नड़ बोलों का केवल अनुवाद किया था और पहले ही निर्देशक प्रेम को चेतावनी दी थी कि ऐसे बोल सेंसर बोर्ड द्वारा पास नहीं किए जाएंगे।

कानूनी कार्रवाई और माफी की तैयारी

एडवोकेट विनीत जिंदल ने इस गाने के खिलाफ कानूनी शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें इसे सार्वजनिक शालीनता को बिगाड़ने वाला बताया गया है। इस बीच, फिल्म की टीम अब डैमेज कंट्रोल में जुट गई है। गीतकार रकीब आलम के अनुसार, मेकर्स ने उन्हें अब एक 'क्लीन वर्जन' लिखने को कहा है, जिसे जल्द ही एक माफीनामे के साथ जारी किया जा सकता है। इस गाने में एक्ट्रेस नोरा फतेही और संजय दत्त नज़र आ रहे हैं। यह गाना आने वाली कन्नड़ फ़िल्म 'KD: The Devil' का हिस्सा है। ऑनलाइन रिलीज़ होते ही यह गाना बड़े विवादों में घिर गया। कई दर्शकों ने इसके बोलों को 'यौन रूप से अश्लील' और इसके दृश्यों को 'उत्तेजक' बताते हुए इस पर आपत्ति जताई।

असम विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को लगा झटका, भाजपा में शामिल हुए सांसद प्रद्युत बोरदोलोई

नई दिल्ली, एजेंसी। असम में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और भाजपा के अन्य नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए।

कांग्रेस के इस वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। सरमा ने पत्रकारों को बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने मंगलवार को बोरदोलोई के पार्टी में शामिल होने को मंजूरी दे दी थी।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा, 'आज, कांग्रेस के मौजूदा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई भाजपा में शामिल हो गए हैं। हमारे प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने पार्टी में उनका स्वागत किया है।' वहीं, राज्य मीडिया विभाग के अध्यक्ष बेदब्रत बोरा ने गुवाहाटी में बताया कि

बोरदोलोई ने अपना इस्तीफा एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेज दिया है।

इस्तीफे पर कांग्रेस ने क्या कहा?

खरगे को संबोधित एक पंक्ति के त्यागपत्र में सांसद ने कहा है कि अत्यंत दुख के साथ मैं आज कांग्रेस के सभी पदों से अपना त्यागपत्र दे रहा हूं। गौरव गोगोई और जितेंद्र सिंह ने राजधानी में बोरदोलोई से इस मुद्दे पर बातचीत की। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने कहा कि बोरदोलोई की रगों में कांग्रेस का खून दौड़ता है। हम एक ही परिवार के सदस्य हैं और हमेशा रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि बोरदोलोई को भाजपा में शामिल होने का कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। बोरदोलोई विधानसभा चुनावों के लिए घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष थे।

बदायूं में केमिकल मिली शराब पीने से 3 लोगों की बिगड़ी तबीयत, 2 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के उझानी कोतवाली क्षेत्र के वरामयखेड़ा गांव में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां 3 लोगों ने शराब में केमिकल मिलाकर पी लिया। शराब पीने के बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई। इनमें दो लोगों की मौत हो गई और एक अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। इस घटना के बाद प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।

वरामयखेड़ा गांव निवासी दामोदर (50) और कामेश (55) और यसपाल कथित तौर पर दूध में मिलाए जाने वाले किसी केमिकल को शराब में मिलाकर पिया था। बताया जा रहा है कि यह केमिकल सामान्य रूप से दूध के उपयोग के लिए होता है, लेकिन इसे शराब में मिलाने के बाद यह जानलेवा साबित हुआ।

शराब पीने के कुछ ही समय बाद तीनों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी और घबराहट होने लगी, जिससे परिजन घबरा गए। तत्काल तीनों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद दामोदर और कामेश को मृत घोषित कर दिया, जबकि यसपाल की हालत गंभीर देखते हुए उसे इलाज के लिए भर्ती रखा गया है।

घटना के बाद परिवार और गांव में मातम का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों में से एक के परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को घर ले जाकर अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी, जबकि दूसरे मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

डीएम और एसपी पहुंचे अस्पताल

सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय और पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद दोनों अधिकारी जिला अस्पताल भी पहुंचे, जहां उन्होंने गंभीर रूप से बीमार शख्स की हालत का जायजा लिया और डॉक्टरों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए।

पुलिस ने इस पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिरकार शराब में मिलाया गया केमिकल क्या था और वह कहां से आया। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इसमें किसी अन्य व्यक्ति या गिरोह की भूमिका तो नहीं है। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

अवैध अल्ट्रासाउंड व पैथोलॉजी केंद्रों की भरमार, स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद में अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों, क्लीनिकों एवं पैथोलॉजी लैब्स की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। नगर क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बिना वैध पंजीकरण एवं निर्धारित मानकों के विपरीत इन चिकित्सा इकाइयों का संचालन किया जा रहा है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ हो रहा है। सूत्रो के अनुसार, मेडिकल कॉलेज के आसपास मात्र सौ मीटर के दायरे में ही कई अल्ट्रासाउंड सेंटर, क्लीनिक एवं पैथोलॉजी लैब संचालित हो रहे हैं, जिनमें से अधिकांश नियमानुसार पंजीकृत नहीं हैं। कई स्थानों पर ऐसे केंद्र भी संचालित पाए जा रहे हैं, जहां किसी अन्य चिकित्सक के नाम पर कागजी औपचारिकताएं पूरी कर, तथाकथित झोलाछाप व्यक्तियों द्वारा चिकित्सा सेवाएं दी जा रही हैं।इसी प्रकार प्यारेपट्टी रोड, घरहां खुर्द, बढ़ैयावीर, कुड़वार रोड, कूरेभार रोड, बरौंसा, जयसिंहपुर, कादीपुर, सुरापुर, दियरा, पांडेयबाबा एवं मोतीगंज सहित जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से संचालित चिकित्सा केंद्रों की भरमार है। इन केंद्रों में न तो आवश्यक उपकरणों का मानक पूरा किया जा रहा है और न ही प्रशिक्षित चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित है। बताया जा रहा है कि कुछ पंजीकृत केंद्रों में भी संबंधित चिकित्सक की अनुपस्थिति में अन्य व्यक्तियों द्वारा संचालन किया जा रहा है, जो कि नियमानुसार पूर्णतः अवैध है। इस प्रकार की गतिविधियां क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट एवं अन्य प्रासंगिक स्वास्थ्य नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। गंभीर बात यह है कि इस संबंध में लगातार शिकायतें मिलने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग एवं औषधि विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। विभागीय स्तर पर गठित छापेमारी टीमें भी निष्क्रिय बनी हुई हैं, जिससे अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इन अवैध केंद्रों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में किसी बड़ी जनहानि या गंभीर चिकित्सकीय त्रुटि की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। जनपद में अवैध चिकित्सा केंद्रों का यह जाल न केवल कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, बल्कि आमजन के जीवन के साथ भी खिलवाड़ है। आवश्यकता है कि संबंधित विभाग तत्काल सघन जांच अभियान चलाकर दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करे, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनी रहे। जब इस संबंध में सी एम ओ डॉक्टर भारत भूषण से बात की गई तो उनका कहना है कि टीम गठित करके अवैध रूप से चल रहे तमाम स्वास्थ्य केन्द्रो पर जल्द ही कार्यवाही की जाएगी।

डाकघर में बम की सूचना से हड़कंप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के प्रधान डाकघर में बुधवार दोपहर बम रखे होने की सूचना से अचानक हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया और मौके पर बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वायड को बुलाकर सघन जांच अभियान चलाया गया।

जानकारी के अनुसार, करीब 11 बजे डाकघर में बम की धमकी भरा मेल मिलने के बाद डाकघर परिसर को एहतियातन खाली करा लिया गया। इस दौरान पासपोर्ट सेवा केंद्र के कर्मचारियों समेत अन्य स्टाफ को भी बाहर निकाल दिया गया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में लेकर डाकघर के अंदर और बाहर गहन तलाशी ली। करीब आधे घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के दौरान डाकघर के प्रत्येक कमरे, बिल्डिंग और परिसर की बारीकी से जांच की गई। इस बीच मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। हालांकि, विस्तृत जांच के बाद कहीं भी कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। पुलिस अधिकारियों ने राहत की सांस लेते हुए बताया कि यह सूचना अफवाह साबित हुई है। पोस्टमास्टर सुरेंद्र कुमार चौबे ने बताया कि उन्हें ईमेल के माध्यम से बम की धमकी मिली थी, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस अब इस फर्जी मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी हुई है और मामले की जांच जारी है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है और डाकघर का कार्य फिर से शुरू कर दिया गया है।

गोमती नदी में मिला अधेड़ का शव

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। गोसाईगंज थाना क्षेत्र के बहाऊद्दीनपुर गांव स्थित निषाद बस्ती के पास बुधवार भोर गोमती नदी में एक अधेड़ का शव उतराता मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। नदी किनारे दैनिक क्रिया के लिए गए ग्रामीणों ने शव देखा तो दंग रह गए। सूचना फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची गोसाईगंज पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, शव की पहचान आधार कार्ड के आधार पर कोतवाली नगर क्षेत्र के पार्किंसगंज निवासी शीतला प्रसाद (51) पुत्र मोतीलाल कसौधन के रूप में हुई है। मृतक की जेब से 250 रुपये नकद, पैन कार्ड, आधार कार्ड, रुमाल, दवा, डायरी सहित अन्य कागजात बरामद हुए हैं। वह धारीदार शर्ट, बनियान और काला पैंट पहने हुए था। दाहिने हाथ की दूसरी उंगली में अंगूठी भी मिली है। घटना की जानकारी मिलने पर एडिशनल एसपी अखंड प्रताप सिंह, सीओ जयसिंहपुर रामकृष्ण चतुर्वेदी और थाना प्रभारी रामआशीष उपाध्याय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

वाराणसी गंगा में इफ्तार पार्टी करने वाले 14 युवक गिरफ्तार, कांग्रेस नेताओं ने पूछा– कौन सा कानून तोड़ा?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी पर एक नाव में रोजा इफ्तार करने पर पुलिस ने 14 मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेताओं ने सरकार और यूपी पुलिस पर निशाना साधा है। साथ ही कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि आखिर कौन सा कानून तोड़ा गया है जो युवकों को गिरफ्तार करना पड़ा।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, बनारस जो प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र है, जहां साल भर में हजारों विदेशी पर्यटक आते हैं वहां की पुलिस कितनी उतावली बैठी है मुसलमानों के खिलाफ FIR दर्ज करने के लिए, युवाओं का एक समूह नाव में बैठकर इफ्तार कर रहा था। बस इतने से किसी छुटभैये नेता की भावना आहत हो गई और उसकी तहरीर पर पुलिस ने 14 युवाओं को गिरफ्तार कर लिया।

इमरान ने यूपी पुलिस को टैग करते हुए पूछा कानून के दुरुपयोग का कीर्तिमान बनाना चाहती है। इसके अलावा पीएम मोदी को टैग करते हुए कहा कि जी क्या यही है सबका साथ -सबका विकास का नारा, जिसमें मुसलमानों के नमाज पढ़ने और इफ्तार करने पर मुक़दमा दर्ज होगा। इमरान प्रतापगढ़ी ने मांग की है कि पुलिस इस मुकदमे को तत्काल रद्द करे और गिरफ्तार युवाओं को रिहा करें।

आखिर किन कानूनों का उल्लंघन किया है?

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर सरकार पर भी हमला बोला है। सुप्रिया ने सोशल मीडिया हैंडल से एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, बनारस पुलिस इस मुकदमे को तत्काल रद्द करें और गिरफ्तार युवाओं को रिहा करे। वाराणसी में गंगा नदी पर एक नाव पर इफ्तार की दावत देने वाले 14 मुस्लिम युवकों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। आखिर उन्होंने किन कानूनों का उल्लंघन किया है? उन्होंने कौन सा गुनाह किया है? हम किस दिशा में जा रहे हैं? बीमार मानसिकता।

सपा नेता बोले- युवकों ने सही नहीं किया

मुरादाबाद के पूर्व सांसद और समाजवादी पार्टी नेता डॉ। एस टी हसन ने इस पूरे मामले में युवकों की गलती बताई है। उन्होंने एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा कि अगर यह बनारस के उन घाटों पर किया गया है, जहां गंगा आरती भी होती है, तो यह सही नहीं है। युवकों ने इफ्तार के दौरान हड्डी खाकर उसे वहां फेंका है तो ये और भी गलत है। असल में इफ्तार कहीं भी किया जा सकता है। ये जरूरी नहीं है कि इफ्तार बनारस घाट पर किया जाए, ये किसी दूसरी जगह भी किया जा सकता था।

मौसेरे भाई के साथ जा रही थी बाजार, मंगेतर ने देखा तो बोला– गुलछर्रे उड़ा रही हो, गुस्से में लड़की ने जहर खाकर दे दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में मौसेरे भाई के साथ बाइक पर बैठ कर बाजार जा रही युवती से उसके मंगेतर ने सरेराह सवाल जबाव करने से आहत युवती ने जहर खा कर जान दे दी। दरअसल, युवती को उसके मंगेतर ने बीच सड़क कर रोक लिया और पूछताछ करने लगा। वहीं इस बात से आहत होकर युवती ने घर पहुंचकर जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना से ईद और शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

जानकारी के मुताबिक, बिजनौर कोतवाली शहर थाना इलाके के झलरा गांव के सलीम का रिश्ता सानिया से तय हुआ था। सानिया भी झलरा गांव की निवासी थी। ईद के बाद दोनों का निकाह होना था। रविवार पंद्रह मार्च को सानिया अपने मौसेरे भाई के साथ बाइक पर बैठ कर बिजनौर में लगने वाले इतवार पैठ बाजार से शादी की शापिंग करने जा रही थी। बाइक पर सानिया के साथ उसकी मौसेरी बहन राबिया भी थी।

बिजनौर के रास्ते में अचानक सानिया का मंगेतर सलीम भी अपने दोस्त के साथ बाइक पर मिल गया और सानिया को बाइक से जाते देखकर बाइक रूकवा कर आने जाने के बारे में पूछताछ करने लगा। जिस पर सानिया ने सलीम को बताया कि पिछले रविवार को उसने पैठ बाजार से कुछ कपड़ों की शापिंग की थी लेकिन कपडे पसंद नहीं आये तो वह अब वापस करने जा रही है। और आधे घंटे में ही वापस अपने घर चली जायेगी।

यह सुनकर सलीम ने सानिया पर बाजार के बहाने गुलछर्रे उड़ाने का आरोप लगाकर नाराजगी जाहिर की और फिर दोनों में इसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। सलीम ने सानिया के दो तीन तमाचे मार दिए। सानिया अपने घर वापस आ गई और सरेआम अपने साथ मंगेतर सलीम द्वारा किये गये दुर्व्यवहार से आहत होकर सल्फास खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड गई।

वहीं सानिया के घर के पास पड़ोस में रहने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने पहुंचकर सानिया को अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उपचार शुरू होने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने सानिया के पिता पर आरोप लगाया कि वह सानिया को तुरंत इलाज के लिए नहीं लेकर गया। सानिया आधे घंटे से ज्यादा कमरे में तडपती रही। बिजनौर के एसपी सिटी डा। कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि मृतका के परिजनों ने किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं कराई है लेकिन पुलिस तफ्तीश कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई कराई जाएगी।

बाइक सवार युवक को रोडवेज बस ने मारी टक्कर, युवक की हुई मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। रोडवेज बस में बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, गंभीर रूप से घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची एंबुलेंस 108 की मदद से युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ पहुंचाया गया जहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करने में लगी हुई है। मामला लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के मुरली नहर के समीप वाराणसी टू लखनऊ हाईवे पर हुई, जहां वाराणसी से लखनऊ की तरफ जा रही रोडवेज बस ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ पहुंचाया गया। जहां मृतक किशोर को कब्जे में लेकर पुलिस विधि कार्रवाई कर रही है। युवक की पहचान रमेश मिश्रा उर्फ पप्पू मिश्रा निवासी ग्राम सैतापुर सराय थाना लंभुआ जनपद सुल्तानपुर के रूप में हुई।

किसान दिवस का बहिष्कार, केवीके मुख्यालय पर किसानों का धरना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। आज केवीके (कृषि विज्ञान केंद्र) मुख्यालय पर आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम का किसानों ने जोरदार बहिष्कार कर दिया। जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस ओम प्रकाश सिंह की अगुवाई में किसानों ने कार्यक्रम में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया और विरोध जताया।

किसानों का आरोप है कि कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों की अनुपस्थिति से उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किया गया, जिससे उनमें भारी नाराजगी फैल गई। नाराज किसानों ने किसान दिवस का बहिष्कार करते हुए केवीके मुख्यालय के गेट पर ही धरना शुरू कर दिया। धरने पर बैठे किसानों ने कहा कि जब तक उनकी समस्याओं को सुनने के लिए जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं होंगे, तब तक इस तरह के कार्यक्रमों का कोई औचित्य नहीं है। किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की और जल्द समाधान की मांग की। इस दौरान जिला अध्यक्ष हृदय राम वर्मा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगदीश चौरसिया, जगदीश सिंह, रामप्रकाश सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, अफसर अली, विजयपाल, राम भारत गॉड, वेद प्रकाश सिंह, राम तीरथ मिश्रा सहित अन्य किसान एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। मौके पर मौजूद किसानों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है, जिससे वे आंदोलन के लिए मजबूर हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन की ओर से किसानों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन किसान अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।उसके बाद समस्त किसानों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना दिया और उनसे बार्ता हुई की किसान दिवस की अध्यक्षता आप करेंगे और किसान दिवस विकास भवन के प्रेरणा सभागार मे होना चाहिए जिसको सुनने के बाद बार्ता हेतु कल 11बजे का समय दिया हैं।

दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे का सफर हुआ मंहगा, इतना बढ़ गया टोल, NH–9 और पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर भी ढीली होगी जेब

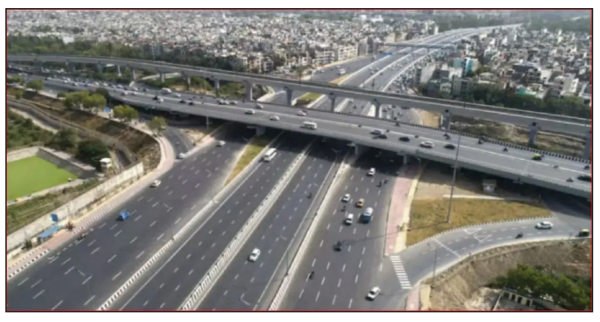

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। अगर आप दिल्ली, नोएडा या गाजियाबाद से मेरठ और हापुड़ की ओर अक्सर सफर करते हैं तो ये खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। नए वित्तीय वर्ष (2026-27) की शुरुआत के साथ ही नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने आम जनता को महंगाई का एक और झटका देने की तैयारी कर ली है। आगामी 1 अप्रैल से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (DME), ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (EPE) और नेशनल हाईवे-9 (NH-9) पर सफर करना महंगा होने जा रहा है।

NHAI के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अरविंद कुमार के अनुसार, इन प्रमुख मार्गों पर टोल दरों में 5 प्रतिशत तक की वृद्धि प्रस्तावित की गई है। बढ़ी हुई दरें 31 मार्च की रात 12 बजे से प्रभावी हो जाएंगी। हालांकि, आधिकारिक तौर पर नई दरों की विस्तृत सूची 31 मार्च की रात को ही सार्वजनिक की जाएगी, लेकिन अनुमानित आंकड़ों ने वाहन स्वामियों की चिंता बढ़ा दी है। वर्तमान में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सराय काले खां से मेरठ तक का सफर करने के लिए अलग-अलग श्रेणियों में निम्नलिखित टोल वसूला जाता है।

1 अप्रैल से इन दरों में 5% की वृद्धि के बाद, कार चालकों को मेरठ तक के सफर के लिए लगभग 8 से 10 अतिरिक्त चुकाने पड़ सकते हैं।

एनुअल फास्टैग भी हुआ महंगा

NHAI ने केवल दैनिक टोल ही नहीं, बल्कि एनुअल फास्टैग पास की कीमतों में भी इजाफा किया है। 15 मार्च को जारी अधिसूचना के अनुसार, आगामी वित्तीय वर्ष के लिए एनुअल पास की फीस 3,000 से बढ़ाकर 3,075 कर दी गई है। यह 75 की बढ़ोतरी राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम, 2008 के प्रावधानों के तहत की गई है।

एनुअल फास्टैग के बड़े फायदे

एक बार 3,075 का भुगतान करने के बाद साल भर बार-बार रिचार्ज नहीं करना पड़ता। यह पास एक साल की अवधि या वाहन द्वारा 200 टोल प्लाजा पार करने तक (जो भी पहले हो) मान्य रहता है। वर्तमान में देश भर में 56 लाख से अधिक निजी वाहन मालिक इस सुविधा का उपयोग कर रहे हैं। वाहन मालिक राजमार्ग यात्रा ऐप या NHAI की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। भुगतान के मात्र 2 घंटे के भीतर पास सक्रिय हो जाता है।

'पे-पर-यूज' मॉडल

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने टोल टैक्स प्रणाली को और अधिक पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए नई नीति पर जोर दिया है। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, सरकार ऐसी तकनीक पर काम कर रही है जिससे जितनी सड़क, उतना टैक्स लिया जाएगा। यानि अब टोल पूरे स्ट्रेच का नहीं, बल्कि केवल उतनी दूरी का लगेगा जितनी वाहन ने तय की है। अगर आप मात्र 15 किमी चलकर हाईवे से उतर जाते हैं, तो आपको केवल 15 के आसपास ही टैक्स देना होगा।

रफ्तार में कोई ब्रेक नहीं

नई तकनीक के जरिए वाहन 80 किमी/घंटा की रफ्तार से टोल प्लाजा पार कर सकेंगे। कैमरे नंबर प्लेट और फास्टैग को ऑटोमैटिक रीड कर लेंगे और पैसे खाते से कट जाएंगे। इससे टोल नाकों पर लगने वाली लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी।

योगी सरकार के नौ साल: सीएम बोले- हमने पीएम मोदी को 28 मार्च को जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का न्योता भेजा है

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में बीते नौ साल में भाजपा सरकार होने का परिणाम यह है कि देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क यूपी के पास है। प्रदेश के सर्वाधिक सात शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में मेट्रो सेवा का शुभारंभ किया। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली और मेरठ के बीच प्रारंभ हो चुकी है। देश का पहला रोपवे वाराणसी में बन रहा है और देश का पहला इनलैंड वाटर वे वाराणसी से हल्दिया के बीच उत्तर प्रदेश में बना है। एयर कनेक्टिविटी के लिए उत्तर प्रदेश में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन हो

रहा है। वहीं, हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 28 मार्च को देश के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का न्योता भेज दिया है। मतलब 2017 के पहले जिस प्रदेश की पहचान दंगों और खराब कानून व्यवस्था से होती थी उसकी पहचान आज विकास, सुशासन और इंफ्रास्ट्रक्चर से हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास और सतत समृद्धि के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में "नव निर्माण के 9 वर्ष" पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व उनकी विजनरी नेतृत्व क्षमता के तहत बीते 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है, वह डबल इंजन सरकार की नीतियों, पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, जनप्रतिनिधियों की सेवा भावना और जनता जनार्दन के सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को इन 9 वर्षों की उपलब्धियों के लिए हृदय से बधाई देते हुए कहा कि यह परिवर्तन 25 करोड़ प्रदेशवासियों की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।

पहले न बेटियां सुरक्षित थीं न व्यापारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 9 वर्षों की यात्रा को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति क्या थी। उत्तर प्रदेश जैसे असीम संभावनाओं वाले राज्य को पहचान के संकट का सामना करना पड़ रहा था। दुनिया की सबसे उर्वर भूमि और प्रचुर जल संसाधनों के बावजूद किसान आत्महत्या के लिए मजबूर था। प्रदेश का कारीगर, जो अपनी कला के लिए प्रसिद्ध था, वह उद्यमी बनने के बजाय श्रमिक बनकर पलायन करने को विवश था। युवाओं के सामने पहचान और रोजगार का संकट था, भर्ती प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार और वसूली से प्रभावित थीं। कानून-व्यवस्था की स्थिति ऐसी थी कि न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी, और न ही आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करता था। प्रदेश में विकास के लिए कोई स्पष्ट विजन नहीं था, जिसके कारण युवा वर्ग निराश होकर या तो पलायन करता था या संघर्ष में उलझा रहता था।

नोएडा एयरपोर्ट की खासियतें

बेहतरीन कनेक्टिविटी : यह एयरपोर्ट सीधे यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से जुड़ा है.
मेट्रो और रैपिड रेल : इसे दिल्ली और नोएडा मेट्रो से जोड़ा जा रहा है, साथ ही फ्यूचर में पॉड टैक्सी (Pod Taxi) की सुविधा भी मिल सकती है.
डिजिटल अनुभव : यह देश के सबसे आधुनिक एयरपोर्ट्स में से एक होगा, जहाँ पेपरलेस एंट्री और स्मार्ट चेक-इन की सुविधा होगी.

नोएडा एयरपोर्ट से किन शहरों के लिए उड़ानें?

नोएडा एयरपोर्ट से बेंगलुरु, मुंबई और कोलकाता समेत देश के 10 बड़े शहरों के लिए फ्लाइट शुरू होंगी. इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस से बातचीत पूरी हो चुकी है.

लखनऊ में दामाद की हत्या से सनसनी, ससुराल पक्ष पर आरोप

लखनऊ। राजधानी के आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर-आई में सोमवार देर रात एक युवक की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना रात करीब 10 बजे डायल 112 के माध्यम से पुलिस को मिली, जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक आशियाना पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे।प्रारंभिक जांच में सामने आया कि तीर्थराज सिंह की पुत्री साक्षी सिंह ने लगभग चार वर्ष पूर्व प्रतापगढ़ निवासी विष्णु यादव (उम्र लगभग 30 वर्ष) के साथ प्रेम विवाह किया था। बताया जा रहा है कि सोमवार को तीर्थराज सिंह ने अपनी पुत्री और दामाद को अपने घर बुलाया था, जहां विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया यह मामला ससुराल पक्ष द्वारा सामूहिक रूप से किए गए हमले का प्रतीत हो रहा है। आरोप है कि लकड़ी की चारपाई के पावे से विष्णु यादव पर वार किया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

नवनिर्माण के नौ वर्ष : सेवा, विकास और सुशासन की दिशा में बढ़ा उत्तर प्रदेश : पंकज चौधरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पंकज चौधरी, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री, ने लोक भवन में उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित "नवनिर्माण के नौ वर्ष" विमोचन कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को आगामी नवरात्रि की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए इसे शुभ और प्रेरणादायक संयोग बताया।उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में नौ अंक को पूर्णता और सिद्धि का प्रतीक माना जाता है। प्रदेश की जनता ने नौ वर्ष पहले परिवारवाद, तुष्टिकरण और दंगाराज की राजनीति को नकारते हुए सेवा, विकास और सुशासन के मॉडल को चुना। उन्होंने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' के स्थान पर 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' जैसे विकासोन्मुख

मॉडल को अपनाने को जनता का ऐतिहासिक निर्णय बताया।पंकज चौधरी ने कहा कि वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में समग्र विकास और गरीब कल्याण की नई सोच को गति मिली, जिसका सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुआ। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनने के बाद प्रदेश में विकास का नया अध्याय शुरू हुआ, जिसे 2022 में जनता ने पुनः प्रचंड बहुमत देकर सुदृढ़ किया।उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था में सुधार और मजबूत आधारभूत संरचना के चलते उत्तर प्रदेश आज निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, चित्रकूट और अलीगढ़ जैसे शहर उभरकर सामने आए हैं, जहां अत्याधुनिक उत्पादों का निर्माण हो रहा है।स्टार्टअप इकोसिस्टम का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि 2017 में जहां लगभग 200 स्टार्टअप थे, वहीं अब उनकी संख्या 20 हजार से अधिक हो चुकी है। सेमीकंडक्टर पार्क, डिफेंस कॉरिडोर, आईटी पार्क, टेक्सटाइल पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी परियोजनाएं रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के माध्यम से 75 जिलों के उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। देश के कुल एक्सप्रेस-वे नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की लगभग 55 प्रतिशत भागीदारी है। वर्तमान में 7 एक्सप्रेस-वे संचालित हैं, 3 निर्माणाधीन हैं और 12 प्रस्तावित हैं।

ईद-उल-फितर व नवरोज पर लखनऊ में व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन

लखनऊ। चांद के दीदार के अनुसार ईद-उल-फितर का पर्व 20/21 मार्च को मनाया जाएगा, जबकि शिया समुदाय द्वारा नवरोज 21 मार्च को आयोजित किया जाएगा। इन अवसरों पर शहर की प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों में बड़ी संख्या में नमाज व धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होने के मद्देनजर यातायात पुलिस ने विस्तृत डायवर्जन व्यवस्था लागू की है।यातायात पुलिस के अनुसार ईद-उल-फितर की नमाज को देखते हुए 21 मार्च की सुबह 6 बजे से नमाज समाप्ति तक शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। विशेष रूप से टीले वाली मस्जिद, बड़ा इमामबाड़ा, रूमी गेट, ऐशबाग ईदगाह सहित आसपास के क्षेत्रों में यातायात को डायवर्ट किया जाएगा। सीतापुर रोड, डालीगंज, पक्का पुल, खदरा, हरदोई रोड, बालागंज, कोनेश्वर चौराहा, चौक, नक्खास, यहियागंज, नाका, ऐशबाग, मोतीनगर, राजेंद्र नगर समेत कई मार्गों पर सामान्य वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी।

संक्षेप

महापौर कैंप कार्यालय पर नामित पार्षदों ने की शिष्टाचार भेंट, शहर के विकास मुद्दों पर हुई चर्चा

लखनऊ। बालाकदर रोड स्थित महापौर कैंप कार्यालय पर बुधवार को नामित पार्षद रूपचंद्र अग्रवाल, पुरुषोत्तम पुरी, नेहा सिंह राठौर, किशन पाल एवं अखिलेश गिरी का आगमन हुआ। इस दौरान सभी पार्षदों ने सुषमा खर्कवाल से शिष्टाचार भेंट की।महापौर सुषमा खर्कवाल ने नवनियुक्त पार्षदों को उनके नामांकन पर बधाई देते हुए कहा कि यह दायित्व जनसेवा का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने पार्षदों से अपेक्षा जताई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करें।इस अवसर पर नगर के विकास, स्वच्छता, जलापूर्ति एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने कहा कि सभी पार्षद नगर निगम के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करें, जिससे शहर के समग्र विकास को गति मिल सके।

गृह कर वसूली में नगर निगम सख्त, 11 लाख बकाया पर विद्युत सेवा आयोग सील

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा गृह कर वसूली में तेजी लाते हुए बकाएदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर सभी जोनों में विशेष अभियान चलाकर बड़े बकाएदारों की पहचान की जा रही है और उनके प्रतिष्ठानों को सील किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के समाप्त होने में अब कुछ ही दिन शेष हैं, जिसके चलते विभाग ने वसूली अभियान को और तेज कर दिया है।इसी क्रम में बुधवार को जोन-4 में बड़ी कार्रवाई करते हुए गोमती नगर के विभव खंड स्थित विद्युत सेवा आयोग को सील कर दिया गया। संबंधित संस्थान पर 11 लाख 16 हजार 789 रुपये का गृह कर बकाया था। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई को अंजाम दिया।

जेहटा व्यापार मंडल का गठन, अरुण यादव बने अध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल की इकाई जेहटा व्यापार मंडल का गठन बुधवार को अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र के दिशा-निर्देशन एवं वरिष्ठ मंत्री सचिन रस्तोगी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।नवनियुक्त पदाधिकारियों में अरुण यादव को अध्यक्ष तथा ओम प्रकाश को वरिष्ठ महामंत्री चुना गया। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक यादव, सौरभ यादव, कृष्ण कुमार यादव एवं सुयश अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं महामंत्री के रूप में राजेश वर्मा, राजू लोधी और दिनेश गुप्ता को नियुक्त किया गया।संगठन में वरिष्ठ मंत्री के रूप में आशीष प्रताप मौर्य, मंत्री पद पर सतीश यादव, संगठन मंत्री के रूप में अग्रज पटेल और प्रचार मंत्री के रूप में अंकुर शर्मा को मनोनीत किया गया। संरक्षक के रूप में विकास पाण्डेय तथा सलाहकार के रूप में संजय शुक्ला को दायित्व सौंपा गया।इस अवसर पर अमरनाथ मिश्र ने कहा कि संगठन व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए समर्पित रहेगा। उन्होंने व्यापारियों की एकता को उनकी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि सभी समस्याओं को संगठित रूप से उठाकर समाधान कराया जाएगा।सचिन रस्तोगी ने अपने संबोधन में कहा कि यह मंच क्षेत्र के व्यापारियों की एकजुटता को मजबूत करेगा और उनकी समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आपसी समन्वय और सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया।नवनियुक्त अध्यक्ष अरुण यादव ने सभी व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने बताया कि जल्द ही शपथ ग्रहण समारोह आयोजित कर संगठन का विस्तार किया जाएगा और व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

विराज सागर दास ने नव संवत्सर व चैत्र नवरात्रि की दी शुभकामनाएं

लखनऊ। विराज सागर दास, जो बीबीडी ग्रुप के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के चेयरमैन हैं, ने प्रदेशवासियों को नव संवत्सर और चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर शुभकामनाएं दी हैं।उन्होंने कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति की महान परंपरा का प्रतीक है और इस दौरान किया जाने वाला कन्या पूजन नारी शक्ति के सम्मान और महत्व को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि वेदों और पुराणों में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व बताया गया है, जिसे आत्मशुद्धि और सद्प्रवृत्तियों को अपनाने का आधार माना गया है।विराज सागर दास ने कहा कि मां दुर्गा की उपासना से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत संकल्प के साथ करने का विधान है और यह पर्व हमें रचनात्मक एवं सृजनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करता है।उन्होंने कामना की कि नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए तथा समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए नई ऊर्जा प्रदान करे।

गौतमपल्ली पुलिस की कार्रवाई : स्टंट व मॉडिफाइड साइलेंसर पर 2 बाइक सीज, 6 का चालान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के तहत थाना गौतमपल्ली पुलिस टीम ने रात्रि गश्त व वाहन चेकिंग अभियान के दौरान स्टंट करने और मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। यह अभियान 17/18 मार्च 2026 की रात शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से चलाया गया।पुलिस के अनुसार 1090 चौराहा से गोल्फ चौराहा के बीच कुछ बाइक सवार तेज रफ्तार में स्टंट करते पाए गए। चेकिंग के दौरान 6 दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट पाए जाने पर चालान किया गया।इसके अलावा 2 दोपहिया वाहनों—UP 32 MZ 4577 (पल्सर 125) और UP 32 PT 1561 (बुलेट)—को मॉडिफाइड साइलेंसर और तेज गति से वाहन चलाने के कारण मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के अंतर्गत सीज कर दिया गया।इस अभियान में उपनिरीक्षक अमित कुमार, इन्द्रजीत सिंह, ओंकारनाथ राय, शैलेश कुमार, दिलीप केशरवानी, लाल सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मियों की टीम शामिल रही। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डिजिटल युग की चुनौतियों और संभावनाओं पर बीबीएयू में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में बुधवार को योग विभाग एवं योग वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में 'डिजिटल युग की चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की।सेमिनार में मुख्य रूप से शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही, योग विभागाध्यक्ष डॉ. दीपेश्वर सिंह, पोलैंड के यूजेनियस पियासेकी शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय की कटाऱजीना मीक्जनिक तथा आयोजन सचिव डॉ. नरेंद्र सिंह मंचासीन रहे। वहीं दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की प्रो. सुषमा पांडेय ऑनलाइन माध्यम से जुड़ीं।कार्यक्रम

की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात अतिथियों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण में डॉ. दीपेश्वर सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि संचालन डॉ. नरेंद्र सिंह ने किया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तभी सार्थक है जब वह ज्ञानवृद्धि में सहायक बने। उन्होंने चेतावनी दी कि तकनीक के अंधाधुंध उपयोग से अवसाद, चिंता और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने 'प्रज्ञा, शील और करुणा' के सिद्धांतों को अपनाने पर बल देते हुए 'पंचकोश' के माध्यम से मानव व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों पर डिजिटल तकनीक के प्रभाव को विस्तार से समझाया।प्रो. राज शरण शाही ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल लक्ष्य प्राप्ति नहीं बल्कि लोक कल्याण होना चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि डिजिटल तकनीकों और एआई पर बढ़ती निर्भरता के कारण युवाओं की विचारशीलता और संवेदनशीलता प्रभावित हो रही है। उन्होंने तकनीक को 'सहायक' के रूप में उपयोग करने की सलाह दी।प्रो. सुषमा पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव विद्यार्थियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहा है। उन्होंने इसके पीछे मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों को जिम्मेदार बताया।डॉ. दीपेश्वर सिंह ने योग की महत्ता बताते हुए कहा कि योग मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाने में सहायक है।

एनआई एक्ट मामले में गैर जमानती वारंट पर दो अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के तहत थाना महानगर पुलिस ने न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण कार्रवाई की है। यह कार्रवाई उन मामलों में की गई, जिनमें अभियुक्त निर्धारित तिथियों पर न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे थे।पुलिस के अनुसार लखनऊ स्थित अतिरिक्त न्यायालय कक्ष संख्या-06 द्वारा अभियुक्त दीपक कुमार एवं विशाखा श्रीवास्तव के विरुद्ध धारा 138 एनआई एक्ट के अंतर्गत गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। दीपक कुमार के खिलाफ परिवाद संख्या 27286/24 थाना कैन्ट में दर्ज था, जबकि विशाखा श्रीवास्तव के विरुद्ध थाना हसनगंज व महानगर में अलग-अलग परिवादों में वारंट जारी हुआ था।थाना महानगर पुलिस टीम ने 18 मार्च 2026 को कार्रवाई करते हुए दीपक कुमार को रेरा ऑफिस, न्यू हैदराबाद थाना महानगर के गेट के सामने से तथा विशाखा श्रीवास्तव को थाना क्षेत्र के पास से गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्त दीपक कुमार (38 वर्ष) न्यू हैदराबाद क्षेत्र के निवासी हैं, जबकि विशाखा श्रीवास्तव (32 वर्ष) भी उसी क्षेत्र की रहने वाली हैं।इस गिरफ्तारी अभियान में उपनिरीक्षक अरुण प्रताप सरोज, उपनिरीक्षक अशोक कुमार गौड़, महिला उपनिरीक्षक दीप्ति, महिला हेड कांस्टेबल सरोज देवी एवं कांस्टेबल राकेश कुमार चौबे की टीम शामिल रही। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

ज्वैलरी दुकान से 4 .10 लाख की चोरी का खुलासा, चार शातिर गिरफ्तार, माल बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के सैरपुर थाना क्षेत्र में ज्वैलरी दुकान से हुई लाखों रुपये की चोरी का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। सर्विलांस टीम उत्तरी जोन और सैरपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चोरी गए आभूषण और नकदी बरामद की गई है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 4.10 लाख रुपये बताई जा रही है।घटना 22 जनवरी 2026 की है, जब न्यू कॉलोनी शाहपुर तकिया निवासी दुकानदार राम दयाल साह सोनी की दुकान के बाहर रखे बैग से अज्ञात बदमाशों ने सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए थे। इस संबंध में थाना सैरपुर में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए संदिग्धों की पहचान की।लगातार तलाश के बाद 17 मार्च को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने लोधमऊ अंडरपास किसान पथ के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों में राहुल राठौर, विवेक वर्मा और राहुल वर्मा शामिल हैं। पूछताछ में इन लोगों ने ज्वैलरी दुकान की पहले रेकी करने और मौका पाकर बैग सहित आभूषण लेकर मोटरसाइकिल से फरार होने की बात कबूल की।अभियुक्तों ने बताया कि चोरी किए गए आभूषणों का एक हिस्सा सैरपुर बाजार स्थित एक ज्वैलरी दुकान पर बेच दिया गया था। इसके आधार पर पुलिस ने चौथे आरोपी अजय वर्मा को भी गिरफ्तार कर लिया, जो चोरी के आभूषण खरीदने में शामिल था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 2.100 किलोग्राम सफेद धातु (चांदी के आभूषण), करीब 5.700 ग्राम पीली धातु (सोने के आभूषण) तथा 16 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं।

गोमतीनगर में चोरी का बड़ा खुलासा : शातिर चोर गिरफ्तार, बाल अपचारी संरक्षण में, लाखों के आभूषण बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर थाना क्षेत्र में हुई चोरी की कई घटनाओं का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया गया है। क्राइम सर्विलांस टीम पूर्वी जोन और गोमतीनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, 6 मार्च और 11 मार्च को विरामखण्ड निवासी पीड़ितों द्वारा दर्ज कराए गए चोरी के मामलों की जांच के दौरान विशेष टीम गठित की गई थी। जांच के क्रम में सीसीटीवी फुटेज, संदिग्धों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर 18 मार्च को मुखबिर की सूचना पर शहीद पथ अंडरपास के पास विनीतखण्ड सब्जी मंडी क्षेत्र से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान

संतोष कश्यप उर्फ राहुल कश्यप (उम्र 19 वर्ष), निवासी जनपद बाराबंकी, हाल पता गाजीपुर थाना क्षेत्र, लखनऊ के रूप में हुई है। इसके साथ ही एक नाबालिग को संरक्षण में लिया गया है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 31 ग्राम पीली धातु (सोने के आभूषण) और लगभग 2 किलो सफेद धातु (चांदी के आभूषण) बरामद किए हैं। बरामद सामान में चैन, अंगूठी, झुमके, कंगन, पायल, कमरबंद, सिक्के सहित अन्य कीमती आभूषण शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। इसके अलावा 2900 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी अपने साथियों के साथ रात के समय पॉश इलाकों में घूमते थे और जिन घरों में ताला लगा मिलता था, वहां गेट के ऊपर से चढ़कर अंदर घुसते और कीमती सामान चोरी कर लेते थे। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी विभूतिखण्ड और अन्य थाना क्षेत्रों में हुई कई चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहे हैं।अभियुक्त के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिससे उसके शातिर अपराधी होने की पुष्टि होती है। बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमों में अतिरिक्त धाराएं बढ़ाते हुए आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अन्य संभावित आरोपियों और गिरोह के नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में बड़ी सफलता मिली है।

अमेरिकी कार्रवाई के बाद गड़बड़ाई विश्व व्यवस्था

दूसरे विश्व युद्ध के बाद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो दुनिया ने सभ्य होने की तरफ लगातार कदम बढ़ाए। लेकिन इक्कीसवीं सदी का चौथाई हिस्सा बीतने के बाद लग रहा है कि एक बार फिर दुनिया आधुनिकता की चादर लपेटे मध्य युगीन बर्बरता की ओर बढ़ रही है। 28 फरवरी, 2026 को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद ऐसी सोच वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहोल्लाह मुसावी खोमैनी समेत कई सैन्य अधिकारियों की मौत ने दुनिया को एक बार फिर हिलाकर रख दिया है। दुनिया के कमजोर देश एक बार फिर आशंकित हो उठे हैं। उन्हें यह डर सताने लगा है कि अमेरिका के खिलाफ अगर उन्होंने नीतियां अपनाईं तो हो सकता है कि अमेरिका अपने तरीके से योजना बनाकर उस पर हमला कर दे।

अमेरिका ने ईरान पर हमले के लिए जिन कारणों को गिनाया है, उनमें सबसे प्रमुख कारण है, ईरान के परमाणु कार्यक्रम रोकना, ईरान की मिसाइल क्षमताओं को खत्म करना और वहां की मौजूदा शासन व्यवस्था को बदलना है। अमेरिका ने तर्क दिया है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने के करीब था, जो दुनिया और क्षेत्रीय सहयोगियों के लिए एक ₹अस्वीकार्य सुरक्षा खतरा₹ है। ट्रंप का कहना है कि ईरान ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं को त्यागने के हर अवसर को ठुकरा दिया था। ट्रंप का यह भी कहना है कि उसके 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' का उद्देश्य ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल सुविधाओं और नौसैनिक संपत्तियों को पूरी तरह नष्ट करना है।

यह ठीक है कि अयातुल्ला खोमैनी की अगुआई वाले ईरान में इस्लामिक शासन व्यवस्था काम कर रही है, जिसे उसके नागरिकों के बड़े वर्ग का समर्थन हासिल नहीं था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि ईरान की संप्रभुता को चोट पहुंचाई जाए। अमेरिका ने वही किया है। अगर ईरान की जनता अयातुल्ला खोमैनी के शासन को खत्म करती तो और बात होती, लेकिन अमेरिकी हमले में खोमैनी का मारा जाना दूसरे तरह की बात है। इससे आने वाले दिनों में कई खतरे उत्पन्न होंगे। ईरान पर हमले के बाद यह आशंका बढ़ गई है कि अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ दुनिया में क्रोध पनपे। यह भी हो सकता है कि आतंकी घटनाएं बढ़ें। गुरिल्ला युद्ध और ईरान समर्थित ताकतों द्वारा आतंकवाद के मुखौटे में अमेरिका और उसके समर्थकों को निशाना बनाया जाए। इससे दुनिया की चिंताएं बढ़ना अस्वाभाविक नहीं है।

अमेरिका की सैन्य कार्रवाइयों का हालिया इतिहास बताता है कि उनका घोषित उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। नौ सितंबर 2011 को न्यूयार्क के ट्विन टॉवर पर हमले के बाद अमेरिका ने आतंकवाद का खात्मा करने के लिए अफगानिस्तान स्थित तालिबान और अलकायदा पर कार्रवाई की थी, उस अफगानिस्तान में अब तालिबान का शासन फिर से स्थापित हो चुका है। अफगानिस्तान को छोड़कर भागने का फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति रहते जो बाइडेन ने लिया था। अफगानिस्तानी तालिबान पर हमले का एक मकसद वहां लोकतंत्र की स्थापना थी, लेकिन अब वहां तालिबान का इस्लामी शासन है और अमेरिका किनारे है। दिलचस्प यह है कि अफगानिस्ता के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिस पाकिस्तान ने अमेरिका को सहयोग दिया था, वह पाकिस्तान अब अफगानिस्तान से जूझ रहा है।

इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन के खिलाफ अमेरिका ने अपने सहयोगी देशों के साथ सैन्य कार्रवाई शुरू की। उसका बहाना इराक के पास व्यापक जनसंहार के रासायनिक हथियार होने को बनाया गया। दिलचस्प यह है कि इराक में सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हो गया। तीस दिसंबर 2006 को उन्हें फांसी पर अमेरिका समर्थित न्याय तंत्र के जरिए लटका दिया गया, लेकिन इराक में अब तक ना तो लोकतंत्र आ पाया है और न ही शांति।

कुछ इसी तरह साल 2011 में लीबिया में अमेरिका ने सैन्य हस्तक्षेप किया। तब अमेरिका का उद्देश्य लीबिया के तानाशाह कर्नल मुअम्मर गद्दाफी के खिलाफ हुए नागरिक विद्रोह को समर्थन देकर लीबिया में लोकतंत्र की स्थापना करना था। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को जरिया बनाया गया। इसके बाद 19 मार्च 2011 को अमेरिका ने अपने कुछ सहयोगी देशों के साथ मिलकर हवाई हमले और मिसाइल हमले शुरू किए। तब से लेकर अब तक अमेरिका में कार्रवाई जारी है। अमेरिकी विशेष बलों ने बेंगाज़ी में 2012 के लीबिया के अमेरिकी राजनयिक मिशन पर हमले के आरोपी अहमद अबू खट्टाला को गिरफ्तार किया। इसके बाद अमेरिका ने 2015 से लेकर 2019 के बाद तक आईएसआईएस और अल-कायदा के खिलाफ ड्रोन और हवाई हमले जारी रखे। जबकि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बीच लीबिया के ही लोगों के हाथों तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी 20 अक्टूबर 2011 को मारे जा चुके थे। भीड़ ने उन्हें उनके गृह नगर सिर्त में पकड़ा गया और वहीं उनकी हत्या कर दी गई।

जीवन के पन्ने पलटने प्रेरित करती 'जब खुली किताब'

पंकज दुबे

फ़िल्म की कहानी मूलत: कुछ ऐसे लोगों के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में कई अनकहे सच और अधूरे संवाद छिपे हुए हैं। उम्र के एक ऐसे पड़ाव पर पहुंचकर, जब इंसान पीछे मुड़ कर अपने जीवन को देखने लगता है

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है।.. डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फ़िल्म की आत्मा बन जाते हैं। सिने-सोहबत मौजूदा दौर में जब अधिकांश हिंदी फिल्में तेज़ रफ्तार मनोरंजन, एक्शन और सतही रोमांस के ईर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती हैं, ऐसे में कुछ फ़िल्में ऐसी भी आती हैं, जो दर्शकों को ठहर कर सोचने पर मजबूर करती हैं। लेखक-निर्देशक सौरभ शुक्ला की फ़िल्म ₹जब खुली किताब₹ ऐसी ही एक संवेदनशील और आत्ममंथन कराने वाली फिल्म है। यह फ़िल्म किसी बड़े नाटकीय घटनाक्रम या बाहरी शोर-शराबे पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले संवादों, रिश्तों के अनकहे दर्द और समय की परतों में दबे सच को धीरे-धीरे खोलती है, बिलकुल एक पुरानी किताब की तरह, जो वर्षों बाद खुलने पर अपनी महक और स्मृतियों से हमें भर देती है।

फ़िल्म का शीर्षक ही अपने आप में एक रूपक है, किताब, जो खुलने पर सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि जीवन के छिपे अध्याय सामने ले आती है। सौरभ शुक्ला ने इस विचार को बेहद सूक्ष्म और संवेदनशील तरीके से पर्दे पर उतारा है।

फ़िल्म की कहानी मूलतः कुछ ऐसे लोगों के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में कई अनकहे सच और अधूरे संवाद छिपे हुए हैं। उम्र के एक ऐसे पड़ाव पर पहुंचकर, जब इंसान पीछे मुड़ कर अपने जीवन को देखने लगता है, तब उन्हें अहसास होता है कि कई बातें कहे बिना रह गईं, कई रिश्ते समझे बिना ही टूट गए और कई फैसलों की वजहें कभी खुलकर सामने नहीं आईं।

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है। एक ऐसी चुप्पी, जो केवल शब्दों की कमी नहीं, बल्कि भावनाओं का बोझ है। समय के साथ जब परिस्थितियां बदलती हैं और लोग आमने-सामने बैठ कर अपने जीवन के पन्ने पलटते हैं, तब यह चुप्पी धीरे-धीरे खुलने लगती है। डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके चेहरे पर समय की परिपक्वता और जीवन के अनुभवों की झलक दिखाई देती है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फ़िल्म की आत्मा बन जाते हैं।

फ़िल्म में अपारशक्ति खुराना और समीर सोनी जैसे कलाकार भी हैं, जो नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की खाई को दर्शाते हैं। यह पीढ़ियों के बीच का वह अंतर है जहां एक तरफ अनुभवों की विरासत है और दूसरी तरफ बदलते समय की बेचैनी। सौरभ शुक्ला के निर्देशन में सादगी में गहराई साफ़ दिखती है। सौरभ हिंदी सिनेमा में एक ऐसे कलाकार हैं, जिनकी पहचान बहुआयामी है। वे अभिनेता भी हैं, लेखक भी और निर्देशक भी। 'जब खुली किताब में उनका लेखक और निर्देशक दोनों रूप बेहद परिपक्व दिखाई देता है। उन्होंने इस फ़िल्म को किसी बड़े सिनेमाई तमाशे की तरह नहीं रचा, बल्कि एक अंतरंग नाटक की तरह गढ़ा है। फ़िल्म का ट्रीटमेंट बेहद संयमित है। संवादों में शोर नहीं है, बल्कि एक गहरी संवेदना है। कई जगहों पर सौरभ शुक्ला संवादों की बजाय मौन का इस्तेमाल करते हैं और यही मौन दर्शक को पात्रों के मन के भीतर झांकने का मौका देता है। दरअसल, पहले 'जब खुली किताब एक नाटक के रूप में बनाया गया गया था, जिसमे मुख्य भूमिका में भी सौरभ ने ख़ुद ही काम किया था। यह फ़िल्म हमें याद दिलाती है कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को समझने का भी एक जरिया हो सकता है। इस फ़िल्म की एक बड़ी ताकत इसके कलाकार हैं। पंकज कपूर हिंदी सिनेमा और रंगमंच के उन दुर्लभ अभिनेताओं में से हैं, जो चरित्र को जीवित कर देते हैं। इस फ़िल्म में उनका अभिनय अत्यंत सूक्ष्म और प्रभावशाली है। वे अपने चेहरे के भाव, आंखों की नमी और आवाज़ के उतार-चढ़ाव से एक ऐसे व्यक्ति की मनःस्थिति को दर्शाते हैं, जो वर्षों से अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जी रहा है। डिंपल कपाड़िया का अभिनय भी बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने अपने किरदार में गरिमा और संवेदनशीलता का सुंदर संतुलन बनाया है। उनके संवादों में एक गहराई है और कई बार उनका मौन ही सबसे अधिक बोलता है। अपारशक्ति खुराना इस फ़िल्म में एक अलग रंग लेकर आते हैं। वे आज की पीढ़ी की बेचैनी, सवाल और व्यावहारिकता को बखूबी प्रस्तुत करते हैं। उनके अभिनय में सहजता है और वे फिल्म के भावनात्मक प्रवाह को संतुलित करते हैं। समीर सोनी भी अपने सीमित लेकिन महत्वपूर्ण किरदार में प्रभाव छोड़ते हैं। उनका अभिनय कहानी के कई भावनात्मक आयामों को उजागर करता है।

फ़िल्म के संवाद में कसावट है। सौरभ शुक्ला ने संवादों को साहित्यिक होने के बावजूद बेहद स्वाभाविक रखा है। कई संवाद ऐसे हैं, जो सीधे दर्शकों के दिल तक पहुंचते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म यह सवाल उठाती है कि क्या हम सच में अपने प्रियजनों को समझ पाते हैं, या हम केवल उनके बारे में अपनी धारणाएं बना कर जीते रहते हैं? फ़िल्म बार-बार यह अहसास कराती है कि जीवन में सबसे कठिन काम सच बोलना नहीं, बल्कि सच स्वीकार करना होता है। संगीत और बैकग्राउंड स्कोर कहानी के भावनात्मक स्वर को मजबूत करता है। संगीत कहीं भी कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि एक हल्की-सी धुन की तरह साथ चलता है। सिनेमैटोग्राफी भी बेहद सादगीपूर्ण लेकिन प्रभावी है। कैमरा कई बार पात्रों के चेहरे पर ठहर जाता है, जैसे वह उनकी आत्मा को पढ़ने की कोशिश कर रहा हो। फ़िल्म का संपादन भी संतुलित है। कहानी धीरे-धीरे आगे बढ़ती है, लेकिन कहीं भी बोझिल नहीं लगती। 'जब खुली किताब केवल एक कहानी नहीं है, बल्कि यह रिश्तों पर एक दार्शनिक टिप्पणी भी है। फ़िल्म यह सवाल उठाती है कि क्या हम अपने जीवन को सचमुच समझ पाते हैं? क्या हमारे रिश्ते उतने ही सरल होते हैं जितना हम उन्हें मान लेते हैं? कई बार हम अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण लोगों को सबसे कम समझते हैं। हम उनके बारे में जो कहानी अपने मन में बना लेते हैं, वही हमारे लिए सच बन जाती है। लेकिन जब किसी दिन वह 'किताब' सचमुच खुलती है, तब हमें अहसास होता है कि हम कितनी गलतफहमी में जी रहे थे। आज के दौर में जब रिश्ते अक्सर त्वरित संदेशों, सोशल मीडिया और व्यस्त जीवनशैली के बीच कहीं खो जाते हैं, ऐसी फ़िल्में हमें यह याद दिलाती हैं कि संवाद और संवेदना कितने जरूरी हैं। यह फ़िल्म बख़ूबी बताती है कि हर व्यक्ति अपने भीतर एक किताब लिए घूमता है। एक ऐसी किताब, जिसमें उसके डर, प्रेम, पछतावे और उम्मीदें दर्ज होती हैं लेकिन अक्सर वह किताब बंद ही रह जाती है। 'जब खुली किताब कोई पारंपरिक व्यावसायिक फ़िल्म नहीं है। यह एक धीमी, विचारशील और संवेदनशील फिल्म है, जो दर्शकों से धैर्य और भावनात्मक जुड़ाव की मांग करती है। लेकिन जो दर्शक इस यात्रा में शामिल होते हैं, उन्हें यह फ़िल्म लंबे समय तक याद रहती है।

टिप्पणी

सोच प्रतिबिंबित हुई

मार्क कार्नी की सोच है कि जब बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के कायदों को ठोकर मार रही हैं, मध्यम दर्जे की ताकतों को आपस में मिलकर अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारत यात्रा में उनकी ये सोच प्रतिबिंबित हुई।

मार्क कार्नी की भारत यात्रा का सार है कि नए हालात के बीच भारत और कनाडा ने अपने रिश्तों में फंसे कांटे को निकाल कर आगे की दिशा तय की है। कनाडा के प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान तीन प्रमुख फैसले हुए। इसके तहत कनाडा 2.6 बिलियन डॉलर के यूरेनियम की आपूर्ति करने पर राजी हुआ है, दोनों देशों ने इस वर्ष के अंत तक व्यापक आर्थिक सहभागिता समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य तय किया है, और उन्होंने 2030 तक आपसी व्यापार को (पिछले साल के 23 बिलियन डॉलर से बढ़ा कर) 30 बिलियन डॉलर तक ले जाने का इरादा जताया है।

जिस दौर में व्यापार की पुरानी व्यवस्थाएं टूट चुकी हैं, दोनों देशों का अपने संबंध के व्यापारिक पहलुओं पर इस तरह ध्यान केंद्रित करना लाजिमी ही है। इसके पहले मार्क कार्नी अपनी यह सोच सामने रख चुके हैं कि जब बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के कायदों को ठोकर मार रही हैं, तब मध्यम दर्जे की ताकतों को आपस में मिलकर अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारत यात्रा के दौरान उनकी ये सोच प्रतिबिंबित हुई। मगर ऐसे संकेत भी मिले कि कांटा निकलने के बावजूद उसके हुआ जख्म अभी पूरी तरह भरा नहीं है। कार्नी की यात्रा के दौरान ही कनाडा की खुफिया एजेंसियों ने सिख आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय अधिकारियों के कथित हाथ से संबंधित सूचनाएं फिर मीडिया को लीक कीं।

उधर ये खबर भी चर्चित हुई कि कनाडा के नागरिक एक अन्य सिख चरमपंथी को उसकी जान का खतरा होने को लेकर आगाह किया गया है। इन खबरों को लेकर कनाडाई खुफिया एजेंसी के इरादों पर कूटनीतिक हलकों में कयास लगते रहे। सवाल उठा कि क्या कनाडा के सरकारी दायरे में कुछ ताकतें भारत से अपने देश के सुधरते संबंध को लेकर खुश नहीं हैं? जिस समय भारत और कनाडा ने पुरानी बातों को भूल कर आगे बढ़ने का फैसला किया है, दोनों देशों की सरकारों को ऐसी कोशिशों से सावधान रहना होगा। उन्हें दोनों देशों को जोड़ने वाले पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जिनमें भारतीय प्रवासी एक महत्त्वपूर्ण कड़ी हैं।

ब्लॉग

उत्पादन, परिवर्तन और विविधीकरण: भारत ने किस प्रकार अपनी ऊर्जा प्रणाली को गतिशील बनाया

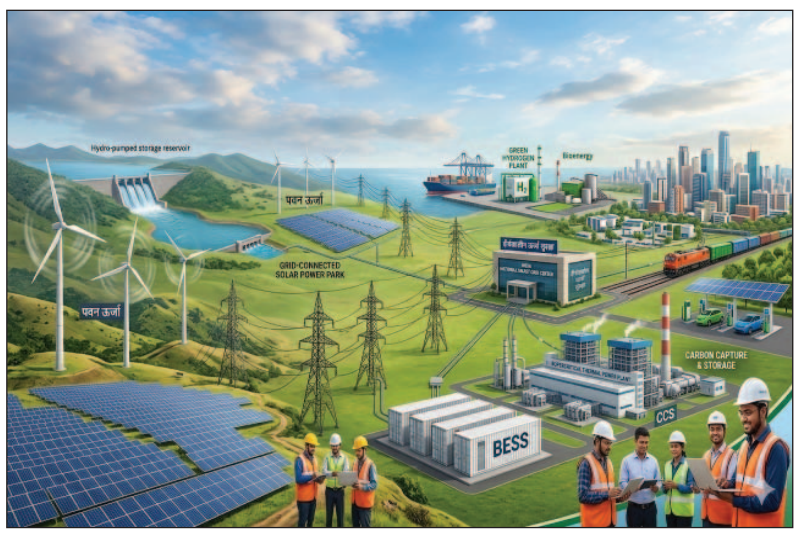

आम तौर पर, संरचनात्मक ऊर्जा परिवर्तन शायद ही कभी आरामदायक समय के दौरान होते हैं। वे तब होते हैं जब किसी संकट की लंबे समय तक अनदेखी की जाती है और उसके प्रति निष्क्रिय भाव रखा जाता है। यद्यपि, पिछले 11 वर्षों के दौरान, मोदी सरकार ने इसके विपरीत काम किया है। इसने ऊर्जा क्षेत्र में संरचनात्मक परिवर्तन किए, तब भी जब परिस्थितियां प्रतिकूल नहीं थीं। इसने भारत को वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधानों को सहन करने के प्रति अधिक क्षमता निर्माण में सक्षम बनाया। मोदी सरकार ने घरेलू उत्पादन का विस्तार करके, नए ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन का प्रबंधन करके और आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाकर, अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बाहरी झटकों का सामना करने में देश को अधिक सक्षम बना दिया है।

भारत के लिए इस समस्या का समाधान करने का मार्ग कभी भी मुश्किल नहीं था। आवश्यकता थी, इसे लगातार आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की। पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने अपनी योजनाओं पर बने रहने का निर्णय लिया। मोदी सरकार ने खुद को आम लोगों के प्रति जवाबदेह बनाया है, जो अपनी समस्याओं का समाधान चाहते थी। इसकी कार्यनीति तीन स्तंभों पर टिकी हुई थी और प्रत्येक ने सरकार से एक अलग तरह की प्रतिबद्धता की मांग की।

पहले कार्यनीति घरेलू उत्पादन की थी। पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिलाने की कार्यप्रणाली 2001 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आरंभ हुई थी। फिर भी कई वर्षों तक, भारत ने कोई प्रगति नहीं की और इथेनॉल उत्पादन स्थिर रहा। 2014 के बाद ही व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला के माध्यम से, भारत इस पहल की पूरी क्षमता का उपयोग करने में सक्षम हुआ। मोदी सरकार के तहत, देश ने ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए व्यापक सुधारों की एक श्रृंखला आरंभ की। इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम (ईबीपी) के तहत शुरू में 2030 के लिए पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

हालांकि, 2020 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस लक्ष्य को 2025 तक विस्तारित कर दिया, क्योंकि इसने भू-राजनीतिक झटकों की स्थिति में ऊर्जा आयात के प्रति देश की निर्बलता को कम करने के लिए नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया। प्रयासों और नीतिगत फोकस के परिणामस्वरूप, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग 2014 में 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 20 प्रतिशत हो गया, जो 11 वर्षों में 13 गुना वृद्धि है। इथेनॉल उत्पादन 2014 में 38 करोड़ लीटर से बढ़कर जून 2025 तक 661.1 करोड़ लीटर हो गया। 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम अब सालाना लगभग 44 मिलियन बैरल कच्चे तेल को विस्थापित करता है।

दूसरी कार्यनीति सही तरीके से ऊर्जा परिवर्तन करने से संबंधित थी। मोदी सरकार ने सभी स्तरों पर देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उद्योग के विकास का समर्थन किया। इसने ऑटोमोबाइल क्षेत्र में शत-प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी, जिसने पिछले चार वर्षों में एफडीआई में 36 बिलियन डॉलर को आकर्षित किया है। प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को प्रोत्साहित करने और ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला क्षमता का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं आरंभ की गईं। भारत में (हाइब्रिड) ईवी का फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग (फेम इ) 2015 में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहन प्रौद्योगिकी को अपनाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था, जिससे इस क्षेत्र का सतत विकास सुनिश्चित हो सके। योजना के पहले चरण में, लगभग 2.78 लाख ईवी जोड़े गए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 59 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई। फेम इंडिया योजना के परिणाम और अनुभव के आधार पर, फेम का दूसरा चरण 2019 में आरंभ किया गया। हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों पर अग्रिम मूल्य में कटौती के माध्यम से उपभोक्ताओं (खरीदारों/अंतिम उपयोगकर्ताओं) को प्रोत्साहन और रियायतें प्रदान की गईं, जिससे इसे व्यापक स्तर पर अपनाने की सुविधा मिली। इस पहल ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए अधिक किफायती और सुलभ बना दिया, जिससे उन्हें अपनाने में तेजी लाने में मदद मिली। इस योजना ने 16 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खरीद और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर सब्सिडी दी, जिससे 42.9 मिलियन लीटर ईंधन की बचत हुई।

इसके अतिरिक्त, इस पहल के परिणामस्वरूप, 2019-20 की तुलना में 2023-24 में भारत में पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में 9.7 गुना वृद्धि हुई। वर्तमान में, भारत के ईवी बाजार में 2025-2026 में तेजी देखी जा रही है, जिसकी बिक्री 2.3 मिलियन यूनिट (कुल वाहन पंजीकरण का लगभग 8 प्रतिशत) तक पहुंच गई है। ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में इस परिवर्तन में निर्भरता से जुड़ा जोखिम भी है। खनिज निर्भरता की जगह तेल निर्भरता के लिए बदलाव से पूर्ण ऊर्जा सुरक्षा हासिल नहीं की जा सकती। इस निर्बलता को दूर करने के लिए, मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुरक्षित करने और भारत की महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने के लिए 'राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन' आरंभ किया।

तीसरी कार्यनीति, मोदी सरकार की ऊर्जा स्रोतों और आपूर्ति भागीदारों के विविधीकरण से जुड़ी थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बहु-संयोजन की नीति अपनाई है, जिसने भारत को अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए कई राज्यों के साथ समानांतर, गहरे संबंध विकसित करने में सक्षम बनाया है। इस कूटनीतिक लोकसंपर्क ने भारत के क्रूड सोर्सिंग बेस को एक दशक पहले के 27 देशों से बढ़ाकर आज 40 से अधिक कर दिया है। इन उपायों के महत्व को समझने का एक उपयोगी तरीका यह विचार करना है कि अगर ये कदम नहीं उठाए गए होते तो स्थिति कैसी दिख सकती थी। रूस-यूक्रेन युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव जैसी घटनाओं ने बार-बार प्रदर्शित किया है कि आपूर्ति श्रृंखलाएं कितनी जल्दी प्रभावित हो सकती हैं। उदाहरण के लिए विचार करें कि इथेनॉल ब्लेंडिंग जैसे घरेलू विकल्पों के विस्तार के बिना, जिसने 2014 के बाद पहले ही 190 मिलियन बैरल मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल के आयात (और 1.55 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है) को प्रतिस्थापित किया है, इस तरह के झटकों के लिए भारत का जोखिम बहुत अधिक और प्रतिकूल परिणाम होता। उस परिदृश्य में (इथेनॉल ब्लेंडिंग को प्राथमिकता नहीं देने की), वैश्विक आपूर्ति व्यवधान भारतीय घरेलू आर्थिक दबाव में बहुत तेजी से परिवर्तित हो गया होता।

अगर मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में इन नीतियों को नहीं अपनाया होता, तो इस तरह के व्यवधान भारत की ऊर्जा प्रणाली में गंभीर अस्थिरता पैदा कर सकते थे, जिसके परिणाम भारत जैसी विस्तारित अर्थव्यवस्था के लिए विनाश की सीमा तक पहुंच सकते थे। इसलिए पिछले एक दशक में किए गए सुधारों ने भारत को भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में प्रवेश करने में मदद की है, जिसे हम आज अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के प्रबंधन में मजबूत बफर और अधिक लचीलेपन के साथ देख रहे हैं।

हालांकि, वे दिन जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ी और एक ही समुद्री चॉकपॉइंट में स्थितियों के साथ उनमें गिरावट आ गई, अब व्यतीत हो चुके है। अब किसी एक ही गलियारे में कोई भी व्यवधान एक प्रबंधित सोर्सिंग समायोजन को बढ़ावा देता है, न कि आपूर्ति आपातकाल को बढ़ाता है। चूंकि भारतीय रिफाइनरी कम्पनियां एक निर्धारित मूल स्थान से एक निश्चित स्लेट पर निर्भर नहीं करते हैं, इसलिए यह लचीलापन देश के लिए एक प्राथमिक ऊर्जा सुरक्षा संपत्ति है। जहां होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण चॉकपॉइंट बना हुआ है, भारत जहाजों का मार्ग फिर से बदल सकता है और अपनी रणनीति को अन्य ऊर्जा-निर्यातक देशों की तरफ स्थानांतरित कर सकता है। भारत आज एक दशक पहले की तुलना में वैश्विक ऊर्जा बाजारों में व्यवधानों को संभालने के लिए कहीं अधिक मजबूत स्थिति में है। एक ऐसी दुनिया में जहां आपूर्ति श्रृंखलाएं तेजी से अनिश्चित होती जा रही हैं, ऊर्जा स्रोतों और साझेदारी का एक व्यापक और अधिक विविध आधार भारत की ऊर्जा आपूर्ति गतिशीलता के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षोपाय बन गया है।

(पत्र सूचना कार्यालय द्वारा जारी)

'देखो... अजय का रसूख टूट रहा है', सफेदपोश आका भी न बचा सके बुलडोजर के पंजे से, 40 और दुकानों टूटेंगी!

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बदायूं के एचपीसीएल के दो अफसरों की प्लांट में निर्ममता से हत्या के बाद सैजनी में हुई बुलडोजर की कार्रवाई से शासन ने खुराफातियों को स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की है। हालांकि दबंग अजय का काली कमाई से बना किला तब ढह सका जब दो अफसरों की जान चली गई।

दो बुलडोजरों ने अजय प्रताप सिंह और उसके ताऊ राकेश सिंह की अवैध मार्केट को रौंद डाला। इस कार्रवाई को देखने के लिए इलाके के हर उम्र के लोग यहां भीड़ लगाए रहे। इनमें से अधिकांश लोग अजय और उसके परिवार की दबंगई से अच्छी तरह वाकिफ थे। राजनीतिक व रसूखदार लोगों से अजय की नजदीकी का भी लोगों को पता था।

कई लोगों ने बातचीत में यह स्वीकार किया कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि अजय के अवैध साम्राज्य पर इस तरह की कार्रवाई भी हो सकती है। वह बड़े लोगों के साथ उठता-बैठता था और बड़ी बातें करता था। पुलिसवालों से लेकर तहसील के स्टाफ तक से उसकी अच्छी दोस्ती थी। इलाके में कार्रवाई पुलिस अक्सर अजय से सलाह लेकर ही किया करती थी। ऐसे में उसका मार्केट टूटना बड़ी बात है। लोगों का यह भी कहना था कि देखो...अजय का रसूख टूट रहा है।

कुछ उम्रदराज लोगों का कहना था कि अजय के खिलाफ कंपनी के अधिकारी काफी पहले से शिकायत कर रहे थे। अगर यह कार्रवाई तब हुई होती तो शायद दोनों अफसरों को अपनी जान न गंवानी पड़ती। वहीं उन्हें अब भी यह भय है कि कहीं अजय जेल से छूटकर या उसके गुर्गे दोबारा दहशत न फैला दें। इसलिए कोई भी खुलकर सामने नहीं आ रहा है।

जेल अस्पताल में भर्ती दो अफसरों की हत्या का आरोपी अजय प्रताप सिंह की हालत सामान्य है। लेकिन उसे घटना के बाद से क्षेत्र की

गतिविधि जानने की लालसा दिख रही है। वह कभी अखबार मांग रहा है तो कभी टीबी चलवाने की गुहार जेल प्रशासन से लगा रहा है। बताया है कि उसके दोनों पैरों पर प्लास्टर लगा हुआ है। दोनों समय वह खाना भी खा रहा है।

12 मार्च को अपराह्न करीब दो बजे फिल्मी अंदाज में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट के उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता व सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद वह गाड़ी से मूसाझाग थाने पहुंचा और आत्म समर्पण कर दिया था।

पुलिस ने एक तमंचा उसके पास से बरामद कर लिया था। लेकिन उसने दो तमंचे ले जाने की बात कबूल की तो पुलिस उसको तमंचा बरामद कराने को ले गई। तमंचा बरामद करते समय आरोपी ने तमंचे से ही पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जबावी फायरिंग में उसके दोनों पैरों में गोली लगी। उसको पुलिस ने 12 मार्च की शाम को ही कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था।

आरोपी को जेल प्रशासन ने जेल अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया है। बताया गया है कि उसके दोनों पैरों पर प्लास्टर लगा हुआ है। जेल में वह घटना के बाद से क्षेत्र की गतिविधियां जानने को आतुर है। कभी वह अखबार पढ़ने को मांग रहा है, तो कभी टीबी चलाने की जेल प्रशासन से गुहार लगा रहा है। जेर रणजंय सिंह बताया कि आरोपी के दोनों पैरों में प्लास्टर चढ़ा है और वह जेल अस्पताल में भर्ती है।

सीएम कार्यालय से भी हो रही निगरानी, पीएमओ की भी नजर

एचपीसीएल प्लांट के दो अफसरों की हत्या के मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय नई दिल्ली की भी नजर है। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से भी इस मामले को लेकर मुलाकात की है। जितिन प्रसाद ने अपने सोशल मीडिया के एक्स पर इसकी पोस्ट की है।सूत्र बताते है कि पीएमओ की इस घटना पर नजर है। हालांकि अधिकारिक तौर पर इसे नहीं बताया जा रहा है। वहीं सीएम कार्यालय से भी पूरे मामले में हो रही कार्रवाई की लगातार निगरानी की जा रही है।

बदायूं हत्याकांड के आरोपी के रसूख पर चला बुलडोजर

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में कंपनी के दो अफसरों की हत्या के मामले में प्रशासनिक कार्रवाई ने मंगलवार को रफ्तार पकड़ ली। हत्यारोपी अजय प्रताप सिंह और उसके ताऊ के सैजनी गांव में बने अवैध मार्केट को बुलडोजरों ने ध्वस्त कर दिया। पंचायत घर की मूल जगह पर इस परिवार की ओर से दबंगई दिखाते हुए मनमुताबिक बनवाई गई बिल्डिंग भी ढहा दी गई। अवैध निर्माण हटाने के लिए नोटिस के बाद मंगलवार को टीम आरोपी अजय और उसके परिवार की अवैध रूप से बनाए हुए मार्केट के ध्वस्तीकरण के लिए पहुंच गई। मूसाझाग, दातागंज, हजरतपुर व आसपास के थानों की पुलिस के साथ दातागंज के एसडीएम और सीओ ने सुबह ही वहां डेरा डाल दिया। हजरतपुर रोड को पुलिस-प्रशासन की गाड़ियां लगाकर बंद कर दिया गया। सुबह दस बजे से दो बजे तक दो बुलडोजरों ने पहले अजय की छह दुकानों व आवासीय परिसर वाला मार्केट गिराया। फिर उसके ताऊ पूर्व जिला पंचायत सदस्य राकेश प्रताप सिंह के मार्केट की पांच दुकानें गिरा दीं।

अवैध निर्माण ध्वस्त कर पंचायत घर की जगह ली कब्जे में

सैजनी चौराहे के दूसरे छोर पर पंचायत घर की मूल जमीन पर अजय का परिवार मनमुताबिक निर्माण कराकर भवन का निजी इस्तेमाल कर रहा था। परिवार से ही ग्राम प्रधान होने का लाभ उठाकर पंचायत घर दूसरी जगह बनवा दिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, नक्शे से मिलान कर यह जगह खाली कराई गई।

बंजर सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाया था मार्केट

सैजनी चौराहा से हजरतपुर को जाने वाली रोड पर अजय और उसके ताऊ ने अपने मार्केट बनवाए थे। पीडब्ल्यूडी की इस रोड के किनारे की यह जगह सरकारी अभिलेख में बंजर जमीन के रूप में दर्ज है। अजय और ताऊ राकेश सिंह ने दुकानें किराये पर दे रखी थीं। भतीजे के साथ आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने वाले ताऊ राकेश सिंह को भी अब हत्याकांड का खामियाजा भुगतना पड़ा। एसडीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि नोटिस का कोई जवाब न देने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

40 और दुकानें ढहाई जा सकती हैं जल्द

अजय के साथ ही उसके परिवार के अन्य लोगों ने भी यहां रोड किनारे की महंगी जमीनों पर कब्जा कर दुकानें बनवा रखी थी। इसकी आड़ में अन्य बिरादरी के कुछ अन्य रसूखदार लोगों ने भी सैजनी चौराहे के पास अपनी-अपनी दुकानें बनवा ली थीं। अब इन लोगों की करीब 40 दुकानें इसी तरह बंजर जमीन पर बनाने की पुष्टि हुई है। एसडीएम ने बताया कि इन सभी को नोटिस दिया जा रहा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो इन दुकानों को भी ध्वस्त किया जाएगा।

'वो तू तड़ाक करता था, कब तक सहता... ' गाजियाबाद में बैंक मैनेजर मर्डर केस में खुलासा, कातिल गार्ड ने क्या बताया?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पंजाब सिंध बैंक के मैनेजर को गोली मारने वाले आरोपी गार्ड ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपी गार्ड रवींद्र हुड्डा ने पुलिस पूछताछ में बताया कि तीन-चार महीने से बैंक में गार्ड हूं। इससे पहले मैं फौजी था। हमने 21 साल तक देश की सेवा की है। वहीं गोली मारने की वजह पर बोलेते हुए कहा कि, मैनेजर हमें गार्ड साहब नहीं बोलता... तू-तड़ाक से बात करता था। मैंने छुट्टी मांगी तो मुझे छुट्टी के दिन भी फटकारा। उम्र में मुझसे 14 साल छोटा था। वो मुझसे कहता था... ये रवींद्र इधर सुन।

पंजाब सिंध बैंक का मैनेजर अभिषेक शर्मा बख्तियारपुर के लखीपुर के रहने वाले थे। वहीं उन्हें बागपत के रहने वाले रवींद्र ने गोली मार दी थी, जोकि बैंक में गार्ड की नौकरी कर रहा था। रवींद्र ने कहा कि उसे मैनेजर का बर्ताव और बात करने का लहजा मानसिक रूप से परेशान कर रहा था। आरोपी ने बताया कि उसे महिला कर्मचारियों के सामने तेज आवाज से बुलाता था और मिस बिहेव करता था। उसने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसने 2018 में सेना से वीआरएस लिया था।

'छुट्टी के दिन भी करता था कॉल'

आरोपी गार्ड ने कहा कि उसे छुट्टी के लिए अक्सर परेशान किया जाता था। छुट्टी के दिन भी मैनेजर की तरफ से कॉल करके उसे परेशान किया जाता है। मैनेजर से कई बार सैलरी बढ़ाने के लिए कहा लेकिन उस पर कोई बात नहीं हुई। जिस दिन घटना हुई उस दिन भी दोनों में छुट्टी को लेकर विवाद हुआ था। गार्ड ने पुलिस को बताया कि उसने शनिवार को ही मैनेजर को छुट्टी पर रहने की बात कही थी, लेकिन सोमवार को करीब 10 कई बार मैनेजर की तरफ से कॉल किया गया। वहीं जब हमने कहा कि हमने शनिवार को ही छुट्टी के लिए बता दिया था। मैनेजर ने कहा कि कोई नहीं कुछ भी करो ड्यूटी पर रहे...हमें छुट्टी से कोई मतलब नहीं है। इसके बाद, करीब 12 बजे गार्ड हाफ पैंट और टी-शर्ट में बैंक पहुंचा, जिस पर मैनेजर ने कहा कि ये क्या तरीका है बैंक आने का। आरोपी गार्ड ने पुलिस को बताया कि जब मैं बैंक पहुंचा तो मैनेजर में मेरा सा मिशबिहेव किया। जोर-जोर से चिल्लाकर मुझसे बात कर रहा था। मैंने कहा कि मुझे किसी की तेज आवाज पसंद नहीं है, जिस पर दोनों लोगों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद उसने मैनेजर अभिषेक शर्मा के सीने में गोली मार दी।

मृतक के भाई-चाचा ने क्या कहा?

वहीं हत्या के मामले में आरोपी गार्ड के एक दोस्त को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना में इस्तेमाल की गई बंदूक को भी जब्त कर लिया है। वहीं इस मामले में मृतक मैनेजर के भाई ने बताया कि उन्हें हत्या की सूचना मिली थी जिसके बाद वो गाजियाबाद पहुंचे थे। पिता संजय शर्मा समेत बाकी परिजन गांव में मौजूद हैं। मृतक का शव विमान से गांव ले जाया गया, जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। वहीं, मृतक मैनेजर अभिषेक शर्मा के चाचा अरविंद शर्मा ने कहा कि डेढ़ साल की बेटी के सिर से पिता साया उठ गया। उसकी पत्नी बीटेक किए हुए, लेकिन देखिए अब आगे क्या होता है।

बहुचर्चित घनश्याम तिवारी हत्याकांड में दो आरोपियो को कोर्ट ने ठहराया दोषी

सुलतानपुर। बहुचर्चित चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड में एडीजे प्रथम संध्या चौधरी की अदालत ने आज बुधवार को अपना फैसला सुनाया। जिसमे अदालत ने आरोपी अजय नारायण सिंह व दीपक सिंह को हत्या सहित अन्य धाराओं में दोषी करार दिया है। सजा पर सुनवाई के लिए अदालत ने 24 मार्च की तारीख तय किया है। दोनों दोषियो को अदालत ने जेल भेजने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष से पैरवी कर रहे शासकीय अधिवक्ता पवन कुमार दूबे ने कहा कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा था,पीड़ित परिवार के साथ न्याय हुआ है। कोर्ट के फैसले का सभी को इंतजार रहा।

कोतवाली नगर के शास्त्री नगर मोहल्ले की रहने वाली वादिनी निशा तिवारी ने 23 सितंबर 2023 की घटना बताते हुए अपने पति घनश्याम तिवारी की हत्या के आरोप में स्थानीय कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने नारायनपुर गांव निवासी जगदीश नारायण सिंह,विजय नारायण सिंह,अजय नारायन सिंह व धनपतगंज थाने के मायंग निवासी दीपक सिंह के खिलाफ आरोप-पत्र पेश किया था। मामले में दो आरोपियो की दौरान विचारण मृत्यु हो चुकी है,जबकि आरोपी अजय नारायण सिंह व दीपक सिंह के खिलाफ ट्रायल चल रहा था।

पूर्वांचल का प्रमुख आस्था केंद्र चैकिया धाम

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर में चैकिया धाम (शीतला माता मंदिर) नवरात्र में पूर्वांचल का प्रमुख आस्था केंद्र है। यहाँ मां शीतला का दर्शन विंध्याचल यात्रा से पूर्व अनिवार्य माना जाता है, जिससे यात्रा सफल होती है। नवरात्र में यहाँ लाखों श्रद्धालु मनोकामना पूर्ति के लिए कड़ाही चढ़ाते हैं, मुंडन संस्कार कराते हैं और कुंड में स्नान कर सुख-समृद्धि पाते हैं। मान्यता है कि मां विन्ध्यवासिनी की पूजा से पहले माता शीतला चैकिया के दर्शन करना आवश्यक है, अन्यथा यात्रा अधूरी मानी जाती है। नवरात्र के दौरान, विशेषकर सातवें दिन, भक्तों की लंबी कतारें लगती हैं और माहौल भक्तिमय हो जाता है। धार्मिक अनुष्ठानरू यहाँ कड़ाही चढ़ाने मुंडन संस्कार कराने और माता के दर्शन करने का विशेष रिवाज है।

रोग मुक्ति का कुंडरू मंदिर परिसर में एक पवित्र कुंड है, जिसके बारे में मान्यता है कि उसमें स्नान करने से चर्म रोग और अन्य बीमारियों से मुक्ति मिलती है। चैकिया धाम में माता शीतला को नवदुर्गा का छोटा रूप माना जाता है और नवरात्र में यहाँ पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। ज्ञात हो कि शीतला मातारानी चैकिया धाम पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों के लाखों श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए आते हैं । माता शीतला को नव दुर्गा की छोटी बहन के रूप में जाना जाता है।पुराणों में भी इसका विशेष उल्लेख है.। यह एक पीठ के रूप में पूर्वांचल के लोगों में मशहूर है। यही कारण है कि पूर्वांचल के गोरखपुर, देवरिया, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, सुलतानपुर समेत विभिन्न जनपदों से नवरात्र में भारी संख्या में महिलायें-पुरुष-वृद्ध एव नौजवान आते हैं।यहां उपनयन, मुण्डन,.जनेऊ संस्कार के साथ विवाह भी सम्पन्न होते हैं. मनौती के अनुरूप लोग कड़ाही करके लप्सी और सोहारी भी यहां मां के चरणों में अर्पित करते हैं.। सात देवियोंमें मां शीतला सबसे छोटी है लेकिन इनका स्थान इन सभी मे सबसे प्रमुख है.। मां के दर्शन के लिये हर सोमवार व शुक्रवार को युं तो भारी भीड़ होती है, लेकिन अगर मौका नवरात्रि का हो तो श्रद्धालुओ का तांता देर रात तक मां के दरपर नजर आता है।.कहा जाता है कि यहां के दर्शन के बाद ही मैहर देवी, वैष्णों देवी व विध्यवासिनी देवी का दर्शन सफल होता है।

दवाओं की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के खिलाफ यूपीएमएसआरए का प्रदर्शन

सुलतानपुर। दवाओं की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर आज उत्तर प्रदेश मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने शाखा अध्यक्ष सर्वेश अग्रहरि के नेतृत्व में नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के चेयरमैन को संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट कर्म सिंह के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि हाल के समय में आवश्यक एवं जीवनरक्षक दवाओं के दामों में बेतहाशा वृद्धि हुई है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। संगठन ने आरोप लगाया कि दवा कंपनियां मूल्य नियंत्रण के नियमों की अनदेखी कर मनमाने तरीके से कीमतें बढ़ा रही हैं, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि दवाओं के मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता लाई जाए, अनियंत्रित मूल्य वृद्धि पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा आवश्यक दवाओं को सख्ती से मूल्य नियंत्रण के दायरे में रखा जाए।

गैस बुकिंग सिस्टम हुआ क्रैश, 1700 रुपये में बिका 923 रुपये का सिलिंडर, अब आई ये नई मुसीबत

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। ताजनगरी में रसोई गैस की किल्लत गहरा गई है। व्यावसायिक (कमर्शियल) सिलिंडरों की आपूर्ति ठप होने का सीधा फायदा मुनाफाखोरों और कालाबाजारी करने वालों को मिल रहा है। बाजार में 923 रुपये की कीमत वाला घरेलू सिलिंडर ब्लैक में 1700 से 1900 रुपये तक में बिक रहा है। सबसे ज्यादा मार पेठा उद्योग, हलवाई, डेयरी संचालकों और कैटरर्स पर पड़ रही है, जो मजबूरी में दो से तीन गुनी कीमत चुका रहे हैं।

एक हलवाई ने बताया घरेलू सिलिंडर के लिए 1700 से 1900 रुपये मांग रहे हैं। सप्ताह में 5 से 7 सिलिंडर भट्ठियों के लिए चाहिए। काम बंद पड़ा है। रोजी-रोटी के लिए ब्लैक में भी लोगों को सिलिंडर खरीदना पड़ रहा है। उधर, एलपीजी ऑनलाइन बुकिंग के लिए आईवीआरएस और मोबाइल एप पूरी तरह चरमरा गए हैं। सर्वर डाउन होने का फायदा उठाकर हॉकर और बिचौलिए सक्रिय हो गए हैं। केवाईसी के अभाव में ओटीपी न आने के कारण आम उपभोक्ताओं को गैस नहीं मिल रही, जबकि ब्लैक में बुकिंग का खेल धड़ल्ले से जारी है। कई लोग अपनों के शादी समारोह में 3400 रुपये में दो सिलिंडर खरीदने को मजबूर दिखे।

दर्ज कराईं जा रहीं प्राथमिकी

जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार ने बताया कि गैस सिलिंडर की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और गड़बड़ियां करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। छापेमारी जारी है। हम हॉकर्स की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रख रहे हैं।

सुबह 6 बजे से गोदामों पर दस्तक, फिर भी मायूसी

बिचपुरी सड़क स्थित ओम फैक्टरी के सामने तीन एजेंसियों के गोदाम हैं। मंगलवार को यहां सुबह 6 बजे से ही लोग बाइक पर खाली सिलिंडर लेकर डटे हुए थे। दोपहर 12 बजे तक इंतजार के बाद भी जब गैस नहीं मिली, तो लोग मायूस होकर लौट आए। बरौली अहीर और धांधूपुरा में भी यही हाल रहा। गैस गोदाम पर मिले बोदला निवासी पूरन सिंह ने कहा कि पांच दिन से चक्कर काट रहा हूं। घर में दो दिन से चूल्हा नहीं जला है।

अचानक आई मुसीबत, ओटीपी का तकनीकी पेंच

तेल कंपनियों ने सुरक्षा के लिए ओटीपी अनिवार्य किया है, लेकिन खराब सर्वर के कारण मोबाइल पर मैसेज ही नहीं आ रहे। ओटीपी के बिना सिलिंडर डिलीवरी नहीं की जा रही। इंडेन गैस एजेंसी प्रबंधकों का दावा है कि स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन सर्वर लोड बढ़ने से वितरण प्रभावित हुआ है।

बदायूं डबल मर्डर : 'विकास दुबे जैसी मौत दो या मुझे भी मार दो', डिप्टी मैनेजर के मामा ने सीएम योगी से की ये मांग

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। पीलीभीत के पूरनपुर से पुलिस के साथ यहां बदायूं में एसएसपी से मिलने आए हर्षित मिश्रा के परिवार ने शहर में डीएम कंपाउंड चौराहे के पास जमकर विरोध किया। हर्षित के मामा विकास मिश्रा ने एक विधायक का नाम लेकर स्थानीय अधिकारियों पर बिरादरीवाद के तहत काम करने का आरोप लगाया।

कहा कि उन्हें किसी अधिकारी पर भरोसा नहीं है। योगी जी, आरोपी अजय को भी वैसी ही मौत दें, जैसी विकास दुबे को दी। अन्यथा वह आत्मदाह कर लेंगे या उन्हें भी मार दें। डीएम और एसएसपी से बात के दौरान सीबीआई जांच की मांग पर अड़े परिजनों को आश्वासन मिला तो वे लौट गए। हर्षित मिश्रा के पिता सुशील मिश्रा, मां रानी मिश्रा, पत्नी सुमति मिश्रा व मामा विकास मिश्रा

समेत परिवार के करीब 15 लोग बदायूं एसएसपी से मिलने मंगलवार सुबह पूरनपुर स्थित अपने घर से कारों में रवाना हुए। पीलीभीत पुलिस की गाड़ी शुरू से उनके साथ चली। परिजनों ने दोपहर बाद बदायूं आकर डीएम कंपाउंड चौराहे के पास हंगामा शुरू कर दिया। अचानक वह विधायक व प्रधान के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान काफी भीड़ जमा हो गई। तब विकास मिश्रा ने आरोप लगाया कि पहले पुलिस बरेली के एक थाने में ले जाने की बात कहकर घुमाती रही। बाद में उन्हें बदायूं लेकर चली।

बदायूं आने के बाद एसएसपी कार्यालय न लाकर उनको एक घंटे तक घुमाते रहे। सीधे एसएसपी के पास नहीं ले गए। इससे वह नाराज हो गए। हंगामा होने की सूचना पर स्थानीय पुलिस भी पहुंच गई। इसके बाद परिवार को तत्काल एसएसपी कार्यालय लाया गया। तत्काल ही वहां डीएम-एसएसपी समेत अन्य अधिकारी पहुंच गए और परिवार से मुलाकात की। करीब दो घंटे तक अधिकारियों ने परिवार से बात की। परिवार की सीबीआई वाली मांग पर डीएम ने कहा कि इस पर शासन स्तर से ही निर्णय हो सकता है। वह उनकी मांग को आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं। उनको आश्वासन दिया कि पूरा प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ है। एसएसपी ने भी परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। शाम चार बजे के बाद परिवार के लोग अपनी कार व पुलिस के साथ पीलीभीत रवाना हो गए। करीब दो घंटे तक अधिकारियों ने परिवार से बात की। परिवार की सीबीआई वाली मांग पर डीएम ने कहा कि इस पर शासन स्तर से ही निर्णय हो सकता है।

वह उनकी मांग को आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं। उनको आश्वासन दिया कि पूरा प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ है। एसएसपी ने भी परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। शाम चार बजे के बाद परिवार के लोग अपनी कार व पुलिस के साथ पीलीभीत रवाना हो गए।

सुनियोजित कांड बताकर विधायक के भाई का लिया नाम

सुशील मिश्रा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हर्षित व सुधीर गुप्ता की हत्या जिस तरह से की गई है, ये केवल अजय प्रताप सिंह के बस का काम नहीं, बल्कि यह एक सुनियोजित तरीके से रचा हुआ कांड है। इसमें अजय के भाई व अन्य परिजन प्रत्यक्ष तौर पर शामिल हैं, जिनमें से कई उस वक्त प्लांट में विभिन्न पदों पर ड्यूटी कर रहे थे।

आरोप लगाया कि एक विधायक के भाई व प्रधान की शह पर घटना को अंजाम दिया गया। इस कंपनी के तीन बड़े अधिकारी भी घटना में लिप्त हैं, जिनमें से कुछ घटना के समय मौजूद थे। परिवार के लोगों ने मांग की कि जो भी चिह्नित आरोपी हैं, उनके नाम केस में शामिल कर विवेचना की जाए। हर्षित के परिवार को अपराह्न करीब दो बजे तक शहर में घुमाने के बाद पुलिस उन्हें उस वक्त एसएसपी दफ्तर लेकर पहुंची जब वह आवास पर निकल चुकी थीं। दफ्तर में जब एसएसपी के न होने का पता लगा तो हर्षित के मामा विकास मिश्रा का सब्र जवाब दे गया। उन्होंने पुलिसकर्मियों से सवाल किया कि जब एसएसपी ने उन्हें मिलने बुलाया है तो आप लोग बाधा क्यों खड़ी कर रहे हैं। या फिर साफ बताइए कि एसएसपी हमसे मिलना नहीं चाहतीं। तब पुलिस उनको एसएसपी के आवास पर ले जाने की बात करने लगी। परिवार के लोगों ने आवास पर ले जाते वक्त डीएम चौराहे पर हंगामा कर दिया।

स्कूली बच्चों की घोर लापरवाही, मौत को दे रहे दावत

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। शहर के ओमनगर क्षेत्र में बुधवार सुबह नियमों की खुली धज्जियां उड़ाती एक बेहद चिंताजनक तस्वीर सामने आई। बोर्ड परीक्षा देने जा रहे छः छात्र एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर सड़कों पर दौड़ते नजर आए।

यह नजारा सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सीधे-सीधे जान से खिलवाड़ है। एक बाइक पर दो से अधिक सवारी बैठना कानूनन अपराध है, ऐसे में छः छात्रों का सवार होना किसी बड़े हादसे को न्योता देने जैसा है। चौंकाने वाली बात यह रही कि इनमें से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। यदि जरा सा भी संतुलन बिगड़ता, तो गंभीर दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि परीक्षा के नाम पर इस तरह की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। अभिभावकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे बच्चों को सुरक्षित तरीके से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाएं। प्रशासन और यातायात विभाग के लिए यह घटना एक चेतावनी है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई और निगरानी बेहद जरूरी है, ताकि भविष्य में इस तरह की खतरनाक लापरवाही पर रोक लगाई जा सके।

हड्डियों में टीबी कब होती है? एक्सपर्ट से जानें इससे कैसे बचें

टीबी यानी ट्यूबरकुलोसिस... ये एक इनफेक्शियस डिजीज है। लंग्स में होने वाली टीबी के बारे में तो ज्यादातर लोगों को पता होता है, लेकिन हड्डियों की टीबी के बारे में कम ही जागरूकता देखने को मिलती है। इसी वजह से सबसे बड़ी समस्या होती है कि समय रहते पेशेंट को इलाज नहीं मिल पाता है। इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानेंगे इसकी वजह, ट्रीटमेंट और बचाव के बारे में जानेंगे।

हड्डियों में होने वाली टीबी एक बेहद ही गंभीर संक्रमण है। ये माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया की वजह से होता है। इसमें ब्लड के जरिए बैक्टीरिया हड्डियों तक पहुंचते हैं। सबसे बड़ी समस्या ये होती है कि इसका इलाज लोग देरी से शुरू करते हैं। दरअसल हड्डियों की टीबी के लक्षणों को अमूमन नॉर्मल दर्द या मसल्स की जकड़न समझ लिया जाता है और इसी के चलते बस कई बार लोग लंबे समय तक पेन किलर टेबलेट ले लेते हैं। अगर बोन ट्यूबरकुलोसिस ज्यादा बढ़ जाए तो इससे हड्डियां बहुत कमजोरी हो जाती हैं और गलने लगती हैं। इस वजह से अंगों में टेढ़ापन, लकवा, सुन्नपन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

हड्डियों की टीबी का इलाज अगर समय पर न किया जाए तो इससे आपकी बॉडी के जॉइंट पूरी तरह से खराब हो सकते हैं, जिससे चलने-फिरने में भी मुश्किल आ सकती है। इसके अलावा रीढ़ की हड्डी का झुकना, कुबड़ापन (Kyphosis) होना जैसी समस्याएं भी होती हैं। तो चलिए एक्सपर्ट से जान लेते हैं कि किसको हड्डियों की टीबी होने की संभावना बहुत ज्यादा रहती है और इसका ट्रीटमेंट, बचाव क्या है।

हड्डियों की टीबी की वजह

फोर्टिस एस्कॉर्ट, बोन और जॉइंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली ओखला के डायरेक्टर डॉक्टर कौशल कांत मिश्रा का कहना है कि हड्डियों में या जोड़ो में टीबी का होना सिर्फ और सिर्फ एक ही कंडीशन में होता है, जब आपकी इम्यूनिटी बहुत कमजोरी होती है। ट्यूबरकुलोसिस होने के पीछे की वजह न्यूट्रिशन और इम्यूनिटी का कम होने के साथ ही हेल्दी लाइफस्टाइल न होना होता है। हालांकि ट्यूबरकुलोसिस की समस्या हड्डियों में या जोड़ों में बहुत कम देखी जाती है, लेकिन इसके लक्षणों पर ध्यान देना चाहिए।

इलाज में न करें देरी

डॉ कौशल कांत मिश्रा कहते हैं कि अगर किसी भी वजह से बॉडी की इम्यूनिटी कम होगी तो ट्यूबरकुलोसिस का इंफेक्शन शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकता है। उसी तरह से ये हड्डियों में भी हो सकता है। सबसे जरूरी बात ये है कि हड्डियों को ट्यूबरकुलोसिस के डायग्नोसिस (इलाज) में ज्यादातर बहुत लेट जाता है। कई बार उसका गलत तरह से ट्रीटमेंट होता है। वह कहते हैं कि हड्डियों के ट्यूबरकुलोसिस के लिए जो ट्रीटमेंट होता है वो कम से कम 9 महीने से डेढ़ साल तक हो सकता है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि कैसा इंप्रूवमेंट हो रहा है।

हड्डियों की टीबी के लक्षण

मूवमेंट में कमी यानी जोड़ों को हिलाने-डुलाने पर हमेशा जकड़न महसूस होना।

किसी खास जोड़ या हड्डी की जगह पर सूजन, जकड़न और ठंडा फोड़ा होना (आमतौर पर जिसमें गर्माहट या दर्द महसूस न हो)।

इसके सामान्य लक्षण हैं हल्का बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होने लगना, भूख में कमी।

स्पाइनल टीबी में पीठ में गंभीर दर्द होना, कमजोरी, सुन्नपन और नर्वस (ब्रेन) सिस्टम से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं।

कैसे करें बचाव?

हड्डियों में होने वाली टीबी का इलाज सही समय पर हो इसके लिए लक्षणों को पहचानना जरूरी होता है तो वहीं इससे बचाव के लिए जरूरी है कि आप अपने लाइफस्टाइल को सही रखें। जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाना खाएं, ताकि आपकी इम्यूनिटी सही रहे और शरीर के अंगों को जरूरी विटामिन-मिनरल भी मिलते रहें। इसके अलावा जोड़ों और हड्डियों को हेल्दी बनाए रखने के लिए हल्की स्ट्रेचिंग करते रहना चाहिए।

गर्मियों में ताजगी देंगी ये 4 तरह की ठंडी मॉकटेल, पी कर मन हो जाएगा तृप्त

गर्मी के मौसम में हर कोई कुछ ऐसा पीना चाहता है, जो ताजगी प्रदान करता हो। ऐसे में ज्यादातर लोग जूस या कोल्ड ड्रिंक का विकल्प चुन लेते हैं। हालांकि, इनके बजाय आपको मॉकटेल पीनी चाहिए, जिनमें कई अलग-अलग स्वाद एक साथ मिल जाते हैं। ये न केवल ताजगी देती हैं, बल्कि मन को भी तृप्त कर देती हैं। आइए इस लेख में 4 तरह की लजीज मॉकटेल की रेसिपी जानते हैं।

चिली पैन

चिली पैन एक ऐसा पेय है, जो आपको गर्मियों के दौरान काफी ताजगी दे सकता है। यह पेय भारत के कुछ दक्षिणी राज्यों में काफी लोकप्रिय है और इसे नारियल पानी, नींबू के रस, काला नमक और काली मिर्च के मिश्रण से बनाया जाता है। यह के न केवल आपको गर्मियों में ठंडक प्रदान कर सकती है, बल्कि इसमें मौजूद काला नमक और काली मिर्च के कारण पाचन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूती मिल सकती है।

लिची पंच

यह मॉकटेल गर्मियों के दौरान लिची की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक जग में पानी, शहद, नींबू का रस, ताजे पुदीने के पत्ते और लिची को डालकर अच्छे से मिला लें। इसके बाद इसमें बर्फ के टुकड़े डालें और फिर इसे परोसें। लिची में मौजूद विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाचन को स्वस्थ रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान कर सकते हैं।

पिना कोलाडा

पिना कोलाडा एक मलाईदार और स्वादिष्ट मॉकटेल है, जो आपको गर्मियों के दौरान काफी ताजगी दे सकती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक मिक्सर में अनानास का रस, नारियल का दूध, सफेद रम और थोड़ा-सा शक्कर डालकर अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को एक गिलास में बर्फ के टुकड़े डालकर पीएं। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद अनानास और नारियल के कारण सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

तरबूज और पुदीने की मॉकटेल

तरबूज और पुदीने की मॉकटेल एक ताजगी भरा पेय है, जिसे आप गर्मियों में आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए तरबूज के टुकड़ों को मिक्सी में पीस लें, फिर उसमें ताजे पुदीने के पत्ते डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को छानकर गिलास में डालें और ऊपर से नींबू का रस निचोड़ें। अंत में इस पर बर्फ के टुकड़े डालकर परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व भी भरपूर होते हैं।

सफर के दौरान जेट लैग से बचने के लिए अपनाएं ये 5 अनोखे उपाय

लंबी यात्रा के दौरान जेट लैग एक आम समस्या है। यह शरीर की आंतरिक घड़ी को प्रभावित करता है और नींद के पैटर्न को बिगाड़ सकता है। हालांकि, कुछ सरल और प्रभावी तरीके अपनाकर आप इस समस्या से बच सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताएंगे, जो आपकी यात्रा को आरामदायक और मजेदार बना सकते हैं और आपको जेट लैग से बचा भी सकते हैं।

सोने का समय बदलें

सफर पर निकलने से पहले अपने सोने का समय धीरे-धीरे बदलें। अगर आप किसी ऐसी जगह जा रहे हैं, जहां समय अलग है तो अपने सोने और जागने का समय उसी हिसाब से सेट कर लें। उदाहरण के लिए, अगर आप अमेरिका से भारत जा रहे हैं और वहां रात के 10 बजे होंगे तो भारत में सुबह के 8 बज रहे होंगे। इस तरह समय का ध्यान रखने से शरीर को नए समय के अनुसार ढलने में आसानी होगी।

पानी पीते रहें

यात्रा के दौरान पर्याप्त पानी पीना बहुत जरूरी है। शरीर को तरल पदार्थों से भरपूर रखना थकान कम करता है और नींद में सुधार करता है। एयरपोर्ट या विमान में मिलने वाले पेय पदार्थों के बजाय बोतल बंद पानी पीएं। इसके अलावा यात्रा के दौरान कभी भी पानी की कमी न होने दें। इससे आपका शरीर तरोताजा रहेगा और आप जेट लैग से बच सकेंगे। पानी पीने से आपकी त्वचा भी ताजगी महसूस करेगी।

हल्का खाना खाएं

यात्रा के दौरान भारी खाना खाने से बचें, क्योंकि इससे पाचन पर दबाव पड़ता है और नींद में खलल उत्पन्न हो सकता है। हल्का खाना जैसे फल, सलाद या दही खाएं। इससे आपका पाचन ठीक रहेगा और नींद भी अच्छी आएगी। इसके अलावा हल्का खाना खाने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है, जिससे आप यात्रा का आनंद ले सकें और जेट लैग से बच सकें। इस तरह आप अपनी यात्रा को आरामदायक बना सकते हैं।

नींद की व्यवस्था करें

अगर आपकी फ्लाइट रात में है तो अपने साथ एक अच्छी गुणवत्ता वाली आंखों की पट्टी और कान बंद करने वाले उपकरण रखें। ये उपकरण आपको शांति से सोने में मदद करेंगे और बाहरी शोरगुल से बचाएंगे। इसके अलावा आप अपने साथ एक हल्की कंबल या तकिया भी रख सकते हैं, जिससे आपकी यात्रा और भी आरामदायक हो जाएगी। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी यात्रा को आरामदायक बना सकते हैं और जेट लैग से बच सकते हैं।

हल्की कसरत करें

यात्रा के दौरान थोड़ी बहुत कसरत करना भी जरूरी है, ताकि आपका शरीर सक्रिय रहे और थकान कम हो। विमानतल पर थोड़ी देर टहलें या हल्का स्ट्रेचिंग करें। इससे रक्त संचार बेहतर होगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। इसके अलावा कसरत करने से आपकी मांसपेशियां भी आराम करेंगी और आप जेट लैग से बच सकेंगे। इन सरल और प्रभावी उपायों को अपनाकर आप अपनी यात्रा को आरामदायक बना सकते हैं और जेट लैग से बच सकते हैं।

गैस खत्म होने पर इंडक्शन पर बनाएं ये 5 व्यंजन, झटपट हो जाते हैं तैयार

इंडक्शन एक आधुनिक रसोई उपकरण है, जो गैस खत्म होने पर खाना पकाने के लिए इस्तेमाल हो सकता है। इन दिनों गैस सिलेंडर मिलने में बहुत परेशानी हो रही है, जिस बीच यह बहुत काम आ सकता है। यह बिजली से चलता है और इससे खाना जल्दी और आसानी से तैयार हो जाता है। अगर आपके घर में गैस खत्म हो गई हो या कम हो तो इंडक्शन का इस्तेमाल करके आप ये 5 व्यंजन बना सकते हैं।

इडली

इडली दक्षिण भारतीय खान-पान का एक लोकप्रिय व्यंजन है। इसे इंडक्शन पर आसानी से बनाया जा सकता है। इसके लिए आप सबसे पहले चावल और उड़द दाल को रातभर भिगोकर पीस लें। इसके बाद इस मिश्रण को खमीर उठाने के लिए छोड़ दें। इसके बाद इंडक्शन पर भाप देने वाले बर्तन को गर्म करके उसमें तेल लगाएं। मिश्रण को छोटे-छोटे सांचे में डालकर 10-15 मिनट तक भाप में पकाएं। आपकी नरम और स्वादिष्ट इडली तैयार है।

खिचड़ी

खिचड़ी एक पौष्टिक और सरल व्यंजन है, जिसे इंडक्शन पर जल्दी बनाया जा सकता है। इसके लिए चावल और दाल को मिलाकर धो लें। अब इंडक्शन पर पैन में थोड़ा तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हरी मिर्च और अदरक डालें। इसके बाद इसमें धुले हुए चावल-दाल का मिश्रण डालकर पानी मिलाएं और स्वादानुसार नमक डालें। इसे ढककर पकने दें, जब तक कि चावल पूरी तरह से पक न जाएं। आपकी पौष्टिक खिचड़ी तैयार है।

आलू-टमाटर की सब्जी

आलू-टमाटर की सब्जी एक साधारण सब्जी है, जिसे इंडक्शन पर झटपट बनाई जा सकती है। इसके लिए सबसे पहले इंडक्शन पर कढ़ाई में तेल गर्म करें, फिर उसमें जीरा, हींग और हल्दी पाउडर डालें। अब इसमें कटे हुए आलू डालकर थोड़ी देर भूनें, फिर कटे हुए टमाटर डालें और नमक मिलाएं। इसे ढककर पकने दें, जब तक कि आलू नरम न हो जाएं। आप इसे इंडक्शन पर बने चावल के साथ खा सकते हैं।

मूंग दाल का हलवा

मूंग दाल का हलवा एक मीठा व्यंजन है, जिसे इंडक्शन पर आसानी से बनाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले मूंग दाल को भूनकर पीस लें। अब इंडक्शन पर पैन में घी गर्म करें और उसमें पीसी हुई दाल डालें। इसे सुनहरा भूरा होने तक भूनें, फिर इसमें दूध, चीनी और इलायची पाउडर मिलाएं। मिश्रण गाढ़ा होने तक पकाएं और फिर इसे घी में तलें। आपका स्वादिष्ट मूंग दाल का हलवा तैयार है।

पनीर भुर्जी

पनीर भुर्जी एक झटपट बनने वाला व्यंजन है, जिसे इंडक्शन पर आसानी से बनाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले पनीर को कद्दूकस कर लें। अब इंडक्शन पर पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, प्याज और हरी मिर्च आदि डालें। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ पनीर डालकर मिलाएं और नमक, हल्दी, लाल मिर्च आदि मसाले मिलाकर थोड़ी देर पकाएं। आपकी स्वादिष्ट पनीर भुर्जी तैयार है।

8th पे कमीशन में कर्मचारियों को मिल सकता बड़ा फायदा, 2026 से एरियर देने की हो रही डिमांड

केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 8वें वेतन आयोग में वेतन में अच्छी बढ़ोतरी की उम्मीद है। जैसे ही 8वां केंद्रीय वेतन आयोग अपना काम शुरू करेगा, उन्हें उम्मीद है कि यह नवंबर 2025 में टर्म्स ऑफ रेफरेंस (ToR) की घोषणा की तारीख से 18 महीनों के भीतर अपनी सिफारिशों की रिपोर्ट सौंप देगा। हालांकि, इस बात को लेकर पक्का अपडेट नहीं है कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें कब से लागू होंगी। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस सुझाव दे रहा है कि इन सुझावों को 1 जनवरी 2026 से लागू किया जाना चाहिए।

ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस ने सुझाव दिया है कि 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होनी चाहिए। इसका मतलब है कि जब भी 8वां CPC अपनी रिपोर्ट जारी करेगा, तो कर्मचारियों और पेंशनभोगियों दोनों को 1 जनवरी 2026 से शुरू होने वाला एरियर्स मिलना चाहिए। AITUC की ये मांगें उस 18-सवालों वाली प्रश्नावली के जवाब में आई हैं, जिसे वेतन आयोग ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया है। इसका मकसद कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, यूनियनों और अन्य जुड़े हुए पक्षों से 8वें वेतन आयोग से संबंधित सुझाव और राय इकट्ठा करना है।

क्यों उठ रही है वेतन संशोधन की मांग?

AITUC मांग कर रहा है कि वेतनमान, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों में बदलाव 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होना चाहिए न कि किसी आने वाली तारीख से उन्हें लागू किया जाना चाहिए। क्योंकि वेतन में बदलाव पहले से ही लंबे समय से बाकी है। यदि सरकार किसी भविष्य की तारीख को चुनती है, तो कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को काफी बड़े बकाया पैसे यानी एरियर का नुकसान हो सकता है।

वेतन को लेकर पहले क्या हुआ है?

यह काफी आम बात है कि कोई वेतन आयोग अपनी रिपोर्ट, पिछले वेतन आयोग का कार्यकाल समाप्त होने के महीनों या यहां तक कि सालों बाद जमा करता है। हालांकि, पिछले मामलों में, सरकार ने हमेशा पिछले वेतन आयोग का कार्यकाल समाप्त होने के ठीक अगले दिन से एरियर दिया है। उदाहरण के लिए, अगर हम 6वें वेतन आयोग की बकाया राशि की तारीख की बात करें, तो आयोग ने मार्च 2008 में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, लेकिन कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 1 जनवरी 2006 से बकाया राशि मिली।

7वें वेतन आयोग में, आयोग ने नवंबर 2015 में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, लेकिन केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जून 2016 में इसे मंजूरी दी। हालांकि, सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 1 जनवरी 2016 से बकाया राशि दी। 7वें वेतन आयोग के साथ मुख्य अंतर यह था कि सरकार ने सितंबर 2013 में जब आयोग की घोषणा की थी, तभी इसके लागू होने की संभावित तारीख भी बता दी थी, लेकिन 8वें वेतन आयोग के मामले में ऐसा नहीं है।

जनता की कमाई पर 'डाका'! इन 10 डिफॉल्टर्स पर है 40,635 करोड़ बकाया, कर्ज चुकाने के नाम पर बैंकों को दिखाया ठेंगा

सरकार ने संसद में टॉप 10 विलफुल डिफॉल्टर्स की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में सबसे पहला नंबर ABG शिपयार्ड लिमिटेड का है। उसके बाद गीतांजलि जेम्स का नंबर है। दोनों पर 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का बकाया है। आइए आपको भी बताते हैं कि देश की वित्त मंत्री ने विलफुल डिफॉल्टर्स पर किस तरह की जानकारी दी है।

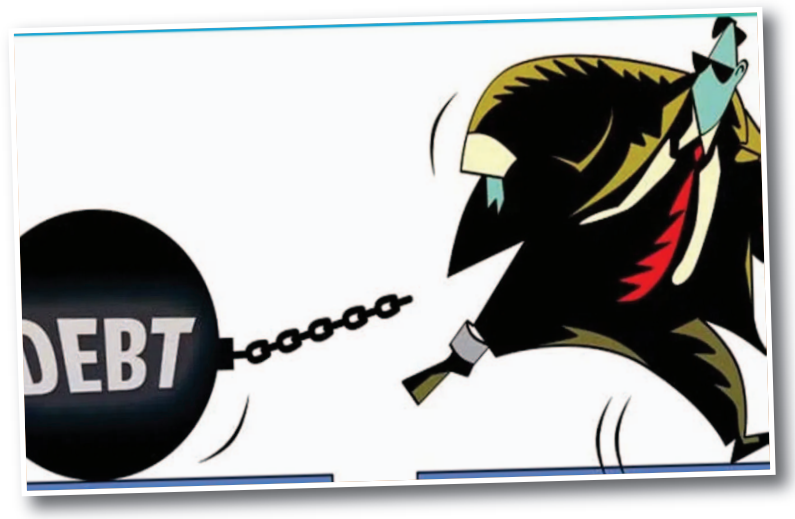

संसद में सरकार ने सोमवार को जानकारी देते हुए कहा कि ABG शिपयार्ड, गीतांजलि जेम्स और हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सहित टॉप 10 जानबूझकर डिफॉल्ट करने वालों पर 31 मार्च, 2025 तक बैंकों का 40,635 करोड़ रुपए बकाया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया कि इस सूची में ABG शिपयार्ड लिमिटेड सबसे ऊपर है, जिस पर बैंकों का 6,695 करोड़ रुपए बकाया है।

इसके बाद गीतांजलि जेम्स पर 6,236 करोड़ रुपए, बीटा नेफ्थॉल पर 5,268 करोड़ रुपए और राकेश कुमार कुलदीपसिंह वाधवान पर 4,291 करोड़ रुपए बकाया है। इसके अलावा, भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड के पूर्व निदेशकों पर बैंकों का 3,810 करोड़ रुपए, रजा टेक्सटाइल्स पर 3,260 करोड़ रुपए, गिल्ट पैक पर 3,080 करोड़ रुपए, रैंक इंडस्ट्रीज पर 2,655 करोड़ रुपए और हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर पर 2,540 करोड़ रुपए बकाया है।

कंप्रोमाइज सेटलमेंट

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 'जानबूझकर डिफॉल्ट करने वालों और बड़े डिफॉल्ट करने वालों के साथ व्यवहार' पर जारी मास्टर गाइडलाइंस के माध्यम से लेंडर्स को सलाह दी है कि वे जानबूझकर डिफॉल्ट करने वालों की लिस्ट मासिक आधार पर सभी क्रेडिट इंफोर्मेशन कंपनियों (CICs) को जमा करें, और CICs के लिए यह जरूरी है कि वे इस सूची को अपनी-अपनी वेबसाइटों पर प्रदर्शित करें। उन्होंने कहा कि RBI से मिली जानकारी के अनुसार, कोई भी बैंक उन अकाउंट्स के संबंध में कंप्रोमाइज सेटलमेंट (compromise settlements) कर सकता है जिन्हें जानबूझकर डिफॉल्ट करने वालों की कैटेगिरी में रखा गया है; ऐसा करने से इन उधारकर्ताओं के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कंप्रोमाइज सेटलमेंट का उद्देश्य

उन्होंने कहा कि जानबूझकर डिफॉल्ट करने वालों को कंप्रोमाइज सेटलमेंट करने की अनुमति देने के पीछे मुख्य रेगुलेटरी उद्देश्य यह है कि लेंडर्स को, बिना किसी अनावश्यक देरी के, डिफॉल्ट में फंसी राशि की वसूली के लिए कई रास्ते उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि समय के साथ होने वाले वैल्यू लॉस के अलावा, अत्यधिक देरी के कारण असेट्स की वैल्यू में भी गिरावट आती है, जिससे अंततः वसूली के प्रोसेस में बाधा आती है। उन्होंने आगे बताया कि RBI के (कमर्शियल बैंक तनावग्रस्त असेट्स का समाधान) निर्देश, 2025 के तहत कंप्रोमाइज सेटलमेंट को एक वैध समाधान तंत्र के रूप में मान्यता दी गई है।

कंप्रोमाइज सेटलमेंट के पीछे का तर्क

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जब जानबूझकर डिफॉल्ट करने वालों से वसूली की बात आती है, तो लेंडर्स के लिए प्राथमिकताएं या अनिवार्यताएं किसी भी तरह से अलग नहीं होती हैं। उन्होंने कहा कि कानूनी कार्यवाही के कारण बिना किसी समाधान के, उधार देने वालों की बैलेंस शीट पर ऐसे जोखिमों का बने रहना, उधार देने वालों के फंड को एक अनुत्पादक संपत्ति में फंसा देता है, जो कि एक वांछनीय स्थिति नहीं है।

इसके अलावा, विलफुल डिफॉल्टर (wilful defaulter) के खिलाफ चल रही या शुरू की जाने वाली आपराधिक कार्यवाही का जारी रहना यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी गलत इरादे वाले काम के दोषी लोग बिना किसी सज़ा के बच न निकलें। उन्होंने आगे कहा कि लेंडर्स को समझौते के तहत सेटलमेंट का अधिकार के तौर पर दावा करने की सुविधा नहीं है; बल्कि यह उधार देने वालों का अपना विवेक है, जिसका इस्तेमाल वे अपने व्यावसायिक निर्णय के आधार पर करते हैं।

औपचारिक क्षेत्र में बढ़ रहे अनियमित मजदूर और स्व-रोजगार

भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का सकारात्मक असर अब देश के श्रम बाजार पर साफ दिख रहा है। अनियमित मजदूर तेजी से औपचारिक कार्यबल में शामिल हो रहे हैं, जिससे नियमित वेतन पाने वाले कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को संसद में यह जानकारी दी।

मंत्री मांडविया ने संसद के प्रश्नकाल के दौरान रोजगार के मोर्चे पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश में रोजगार लगातार बढ़ रहा है और बेरोजगारी कम हो रही है। अर्थव्यवस्था के विकास से रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं। बढ़ती आर्थिक मांग को पूरा करने के लिए आपूर्ति बढ़ाना आवश्यक है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का विस्तार हो रहा है, जिससे बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा हो रही हैं। श्रम मंत्री ने पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के नवीनतम आंकड़ों का हवाला दिया। उन्होंने श्रम बाजार में आए नीतिगत और ढांचागत बदलावों को रेखांकित किया। पीएलएफएस आंकड़ों के अनुसार, अनियमित मजदूरों की संख्या में गिरावट आई है। वर्ष 2017-18 में इनकी हिस्सेदारी 24 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 19 प्रतिशत पर आ गई है। मंडाविया के अनुसार, इसका अर्थ है कि अनियमित कामगार अब औपचारिक रोजगार से जुड़ रहे हैं। कैजुअल वर्कर्स की औसत आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2017-18 में यह आय 255 रुपये थी, जो वर्तमान में बढ़कर 418 रुपये हो गई है। यह आय वृद्धि कामगारों की क्रय शक्ति बढ़ाएगी।

इस्राइल ने लेबनान के बेका वैली में नए हवाई हमले किए, दुबई में गिरा ईरानी मिसाइल का मलबा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष 19वें दिन में और खतरनाक हो गया है। मिसाइल और ड्रोन हमले तेज हो चुके हैं, वहीं होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज भी निशाने पर हैं। इस बीच, इस्राइल ने अली लारीजानी और बसीज कमांडर गुलामरेजा सुलेमानी को मारने का दावा किया, ईरान ने भी दो शीर्ष अधिकारियों की हत्या की पुष्टि की है।

इस्राइल की सेना ने लेबनान के सोहमोर शहर पर दो नए हवाई हमले किए हैं, जैसी जानकारी राज्य मीडिया NNA ने दी। पहले हुए हमले में चार लोगों की मौत हो गई थी, जब सोहमोर में चार घरों को निशाना बनाया गया था। अधिकारियों ने कहा है कि क्षेत्र में सुरक्षा हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं।

सऊदी अरब ने ड्रोन और मिसाइल हमलों की नई लहर रोकी गई

सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हाल ही में देश के पूर्वी हिस्से में दो चरणों में ड्रोन हमलों को रोक दिया गया। इसके कुछ घंटे पहले ही मंत्रालय ने अल-खारज गवर्नरेट में एक बैलिस्टिक मिसाइल को भी नष्ट किया था। मिसाइल के मलबे प्रिंस सुल्तान एयर बेस के पास गिरा, लेकिन किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। मंत्रालय ने कहा कि हवाई सुरक्षा बल लगातार सतर्क हैं और किसी भी खतरे को रोकने के लिए तैयार हैं।

बेरूत में इस्राइली सेना का हमला, जोरदार धमाका और हाहाकार

बेरूत के बाकौरा इलाके में इस्राइली सेना ने एक इमारत पर हमला किया, जिससे जोरदार धमाका हुआ। इस हमले के तुरंत बाद इस्राइली सेना ने इलाके में रहने वालों को तुरंत खाली करने का आदेश भी जारी किया। इसके पहले, केंद्रीय बेरूत के जुकाक अल-ब्लात और अल-बस्ता इलाकों में तीन अपार्टमेंट बिल्डिंग पर इस्राइली हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हुए। स्थानीय मीडिया और एजेंसियों ने बताया कि हमले के बाद इलाके में भय का माहौल है और सुरक्षा बल घटनास्थल पर मौजूद हैं।

दुबई में मिसाइल हमले की कोशिश, एयर डिफेंस ने किया नाकाम

बुधवार को दुबई के आसमान में उस समय हलचल मच गई, जब ईरान की ओर से आए मिसाइल और ड्रोन को एयर डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही नष्ट कर दिया। इस दौरान रोकी गई मिसाइलों के टुकड़े शहर के कुछ हिस्सों में गिरते देखे गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आसमान में इंटरसेप्टर मिसाइलें दागी गईं और जोरदार धमाकों की आवाज भी सुनाई दी। बाद में दुबई प्रशासन ने साफ किया कि ये आवाजें सफल एयर डिफेंस कार्रवाई की वजह से थीं। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि उसके सिस्टम ईरान से आए खतरों का जवाब दे रहे थे। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई गई है।

अमेरिकी सेना ने ईरान के मिसाइल ठिकानों पर भारी बमों से हमला किया

अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के तटीय इलाकों में स्थित ईरानी मिसाइल ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार ₹कुछ घंटे पहले, अमेरिकी बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के तट पर स्थित ईरानी मिसाइल ठिकानों पर 5,000 पाउंड के कई डीप पेनिट्रेटर मूनिशन्स (गहरे भेदक हथियार) का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया।₹ सेंट्रल कमांड ने यह भी स्पष्ट किया कि इन ठिकानों पर मौजूद ईरानी एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रही थीं। यह कार्रवाई संभवतः क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

सऊदी एयर बेस के पास मिसाइल के टुकड़े गिरे

सऊदी अरब की रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने अल-खर्ज गवर्नरेट की ओर लॉन्च हुई बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया। मिसाइल के अवशेष प्रिंस सुल्तान एयरबेस के पास गिरे, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ। यह एयरबेस अमेरिकी बलों की मेजबानी करता है और ईरान के खिलाफ अमेरिकी और इस्राइली कार्रवाई के दौरान बार-बार निशाना बना।

बगदाद में फिर से धमाका

इराक की राजधानी में एक और विस्फोट हुआ। यह खबर उस समय आई जब अमेरिकी दूतावास को लक्षित ड्रोन और रॉकेट हमलों की जानकारी मिली थी, जो शहर के कड़ी सुरक्षा वाले ग्रीन ज़ोन में हुए।

इस्राइल में संपत्ति को भारी नुकसान

इस्राइली मीडिया चैनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान से हालिया मिसाइल हमले के बाद काफर कासेम शहर में कम से कम चार स्थानों को नुकसान पहुंचा। रिपोर्ट में कहा गया संपत्ति को व्यापक नुकसान हुआ है और दो लोग घबराहट की स्थिति में घायल हुए। पहले के समाचारों में बताया गया कि शेल के टुकड़ों से दो लोगों की मौत हुई, जो नजदीकी रामत गान में थे।

ईरान में US की बमबारी से नाराज ट्रंप के अफसर का इस्तीफा

अमेरिका में नेशनल काउंटरटेररिज्म सेंटर के प्रमुख जोसेफ केंट ने ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध को लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अपने इस्तीफे में केंट ने कहा कि ईरान से अमेरिका को कोई तत्काल खतरा नहीं था, लेकिन इस्राइल के दबाव में आकर अमेरिका ने यह युद्ध शुरू किया। उन्होंने कहा कि वह इस युद्ध का समर्थन ईमानदारी से नहीं कर सकते। केंट इस मुद्दे पर इस्तीफा देने वाले ट्रंप प्रशासन के पहले बड़े अधिकारी बन गए हैं।

खाड़ी देशों पर ईरान का हमला जारी : सऊदी ने अब तक 438 ड्रोन और 36 मिसाइलें नष्ट की

रियाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 19वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी बीच सऊदी अरब ने आंकड़ा जारी कर बताया कि संघर्ष शुरू होने के बाद से उसने अब तक 438 ड्रोन और 36 मिसाइलों को रोक दिया है।

सऊदी रक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि ये हमले बहुत बड़े पैमाने पर और लगातार हुए हैं। पिछले तीन हफ्तों से सऊदी हवाई सुरक्षा बल लगातार सतर्क हैं। सऊदी अरब में सबसे ज्यादा हमले पूर्वी प्रांत की तरफ हुए, जहां देश के बड़े तेल रिफाइनरी हैं। इसके बाद शैबाह के तेल क्षेत्र और रियाद से 80 किलोमीटर दूर अल-खारज में प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर मिसाइलें दागी गईं। हालांकि इतने हमले और बड़े पैमाने पर नुकसान के बाद भी ईरान का कहना है कि उसका लक्ष्य केवल अमेरिकी और इस्राइली सैन्य ठिकाने हैं, न कि नागरिक या आर्थिक जगहें। लेकिन खाड़ी देशों की सरकारों ने इसे नकार दिया और कई देशों ने ईरानी राजदूतों को तलब कर विरोध जताया। दूसरी ओर बढ़ते संघर्ष को देखते हुए सऊदी अरब में बुधवार को अरब और इस्लामी विदेश मंत्रियों की आपात बैठक हुई। सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बैठक का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सलाह-मशविरा और समन्वय बढ़ाना है ताकि पूरे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

अफवाहों के बीच ट्रंप ने भेजा अपना दूत, इस्राइली पीएम ने वीडियो जारी कर दिया संदेश

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी जंग अपने 19वें दिन में प्रवेश कर चुका है और इसके बाद भी जंग की आग कम होने के बजाय और फैलती हुई नजर आ रही है। ऐसे में एक तरफ जहां वैश्विक चिंताएं सातवें आसमान पर पहुंच गई है। वहीं दूसरी ओर बीते एक दो दिनों से इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत को लेकर अफवाहों ने आग पकड़ ली। सोशल मीडिया पर फैल रही सनसनी, एआई वीडियो के दावे और सियासी बयानबाजी के बाद सवाल यह पूछे जा रहे हैं कि आखिर नेतन्याहू को लेकर सच्चाई क्या है? क्या वे जिंदा हैं या नहीं?

हालांकि बात यहीं तक नहीं थमी हालात इतने बिगड़े कि सच जानने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना दूत भेजना पड़ा, जिसके बाद नेतन्याहू को एक

बार फिर वीडियो जारी कर दुनिया को यह बतना पड़ गया कि वे अभी जिंदा हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए वीडियो में नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाह और अटकलों पर जोरदार पलटवार किया और अपने जिंदा होने का दावा ठोकते हुए साफ शब्दों में कहा कि 'अभी मैं जिंदा हूं'।

अमेरिकी दूत माइक हकाबी के साथ नजर आए नेतन्याहू

इस वीडियो में नेतन्याहू के साथ अमेरिका के दूत माइक हकाबी भी नजर आ रहे हैं। वीडियो में मजाकिया अंदाज में हकाबी कहते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें खास तौर पर यह देखने भेजा कि नेतन्याहू ठीक हैं या नहीं। इस पर नेतन्याहू मुस्कुराते हुए जवाब देते है, हां, मैं जिंदा हूं।

चलिए पहल अब समझते है, क्या है पूरा विवाद?

दरअसल, कुछ दिनों पहले नेतन्याहू का एक वीडियो सामने आया था, जिसे लेकर दावा किया गया कि वह एआई से बना है। लोगों ने कहा कि उनके हाथ में छह उंगलियां दिख रही हैं, जिससे वीडियो पर शक बढ़ गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई। यहां तक कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के चैटबॉट ग्रोक ने भी उस वीडियो को डीपफेक बता दिया, जिससे अफवाहें और बढ़ गईं।

लगातार वीडियो डालकर दे रहे सफाई

इन दावों के बाद नेतन्याहू ने एक के बाद एक कई वीडियो पोस्ट किए। एक वीडियो में वह कॉफी हाउस में नजर आए, लेकिन उस पर भी लोगों ने सवाल उठा दिए। इसके बाद अब नेतन्याहू ने अमेरिकी दूत के साथ नया वीडियो डालकर उन्होंने अपनी मौजूदगी साबित करने की कोशिश की है। इतना ही नहीं इस वीडियो में नेतन्याहू ने एक कार्ड दिखाते हुए ईरान पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल ने ईरान के दो बड़े नेता अली लारीजानी और गुलाम रजा सुलेमानी को मार गिराया है। बाद में ईरान ने भी इन मौतों की पुष्टि की और बदला लेने की बात कही।

अरविंद केजरीवाल की जेल यात्रा की डॉक्यूमेंट्री देख भावुक हुए आप कार्यकर्ता

गोवा के घर-घर में फिल्म पहुंचाने का प्लान

नई दिल्ली। गोवा में उस वक्त एक अलग ही तस्वीर दिखी जब आम आदमी पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने एक साथ वह डॉक्यूमेंट्री देखी, जिसमें आप नेताओं को फर्जी केसों में फंसाकर जेल भेजने की पूरी कहानी दिखाई गई। इस दौरान आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी मौजूद थे। इस दौरान यहां का माहौल कुछ अलग नजर आ रहा था।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह सिर्फ फिल्म स्क्रीनिंग का मौका नहीं था, बल्कि भावनात्मक आवेग का पल था। हॉल में बैठा हर कार्यकर्ता महज दर्शक नहीं था, बल्कि साक्षी था उस दौर का, जब एक उभरती हुई राजनीति पार्टी के नेताओं को दिल्ली चुनाव से पहले अनेक मामलों में आरोपी बनाया जा रहा था और जेल भेजा जा रहा था।

कहानी नेता की नहीं, दबाने वाली सोच की

अरविंद केजरीवाल ने यह भी कहा कि यह पूरी कहानी किसी एक नेता की नहीं है, बल्कि उस सोच की है, जिसे दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने बताया कि किस तरह से आम आदमी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया गया, जेल में डाला गया, और जनता के बीच शक पैदा करने की कोशिश की गई। लेकिन इसके बावजूद पार्टी का एक भी नेता नहीं टूटा।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह डॉक्यूमेंट्री सिर्फ जानकारी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास देने वाला था। उन्हें यह एहसास हुआ कि जिस पार्टी के साथ वे खड़े हैं, वह सिर्फ चुनाव लड़ने वाली पार्टी नहीं, बल्कि एक मजबूत और ईमानदार विचारधारा है, जो हर मुश्किल में टिके रहने की ताकत रखती है।

डॉक्यूमेंट्री कोंकणी भाषा में होगी डब

इसके आगे उन्होंने फिर से कहा कि इसी भावना को अब पूरे गोवा में ले जाने की तैयारी है। आम आदमी पार्टी इस डॉक्यूमेंट्री को कोंकणी भाषा में हर कस्बे, हर मोहल्ले और हर वार्ड तक पहुंचाने जा रही है। मकसद साफ है- हर कार्यकर्ता तक सच्चाई पहुंचे, हर घर तक यह संदेश जाए कि यह लड़ाई सिर्फ राजनीति की नहीं, बल्कि सच और झूठ के बीच की है।

उन्होंने कहा कि गोवा, जो हमेशा शांति और भाईचारे के लिए जाना जाता रहा है, वहां इस तरह की पहल लोगों के दिलों को छू रही है। यहां के लोगों में एक भावनात्मक जुड़ाव बन रहा है, क्योंकि यह कहानी केवल नेताओं की नहीं, बल्कि उस विश्वास की है, जिसे तोड़ने की कोशिश की गई थी।

एमईपीएससी ने व्यावसायिक कौशल एवं उद्यमिता विकास में एक दशक की उपलब्धियों को उत्सव के रूप में मनाया

नई दिल्ली। द मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप एंड प्रोफेशनल्स स्किल काउंसिल ने मंगलवार की देर शाम द्वारका, नई दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में अपना 10वां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया। यह अवसर भारत के व्यावसायिक कौशल तंत्र को सशक्त बनाने तथा उद्यमिता-आधारित कार्यबल विकास को प्रोत्साहित करने के एक दशक की उल्लेखनीय यात्रा का प्रतीक रहा।

इस अवसर पर उद्योग, शिक्षा जगत एवं कौशल विकास क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधि एकत्रित हुए और एमईपीएससी द्वारा उद्योग-अनुरूप कौशल मानकों के विकास तथा विभिन्न क्षेत्रों में कार्यबल की क्षमता सुदृढ़ करने की दिशा में किए गए प्रयासों पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीनिवास वी. डेम्पो, अध्यक्ष, डेम्पो ग्रुप ऑफ कंपनीज़ एवं अध्यक्ष, एमईपीएससी ने की। इस अवसर पर एमईपीएससी के बोर्ड सदस्य तथा एयर इंडिया, ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (AIMA), मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, गेल, डेलॉइट और नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

इस मौके पर कर्नल अनिल कुमार पोखरियाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एमईपीएससी ने संगठन की दस वर्षीय यात्रा और भारत के व्यावसायिक कौशल परिदृश्य को सुदृढ़ करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एमईपीएससी ने उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल मानकों के निर्माण, संस्थानों एवं प्रशिक्षण भागीदारों के साथ सशक्त सहयोग तथा युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान करने की दिशा में निरंतर कार्य किया है। उन्होंने यह भी कहा कि तीव्र तकनीकी परिवर्तन के इस दौर में संगठन का लक्ष्य कौशल अंतर को कम कर भविष्य के लिए सक्षम कार्यबल तैयार करना है।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एमईपीएससी के 10वीं वर्षगांठ के स्मारक चिह्न (लोगो) का अनावरण रहा, जो व्यावसायिक कौशल विकास के क्षेत्र में एक दशक की उपलब्धियों एवं सहयोग का प्रतीक है। इस अवसर पर एमईपीएससी की उपलब्धियों और योगदानों को दर्शाती कॉफी टेबल पुस्तक का भी विमोचन किया गया। इसके अतिरिक्त "प्रोफेशनल स्किलिंग का एक दशकः भविष्य के कार्यबल के लिए उद्योग-एकीकृत शिक्षण की पुनर्कल्पना" विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें उद्योग एवं मानव संसाधन क्षेत्र के विशेषज्ञों ने बदलती कार्य आवश्यकताओं, उभरते कौशलों तथा उद्योग-शिक्षा सहयोग के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

श्रीनिवास वी. डेम्पो ने कहा कि एमईपीएससी आज देश के कौशल विकास तंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। उन्होंने कहा कि देश में प्रबंधकीय एवं व्यावसायिक कौशल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रारंभ हुआ यह प्रयास आज एक सशक्त मंच के रूप में विकसित हुआ है, जो उद्योग, प्रशिक्षण संस्थानों तथा उभरते पेशेवरों एवं उद्यमियों को जोड़ता है।

उन्होंने एमईपीएससी के पूर्व अध्यक्षों-सुनील कांत मुंजाल (हीरो एंटरप्राइज एवं संस्थापक अध्यक्ष), हेमंत नेरुरकर (पूर्व प्रबंध निदेशक, टाटा स्टील) तथा आर. मुकुंदन (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, टाटा केमिकल्स) के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक रात्रिभोज के साथ हुआ, जिसमें उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं एवं अन्य हितधारकों ने कौशल विकास को और सशक्त बनाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इस आयोजन से संबंधित संचार एवं मीडिया समन्वय का दायित्व निशा सिंह, ब्रांड एवं कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, एमईपीएससी द्वारा सफलतापूर्वक निभाया गया। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिति एवं कौशल विकास से जुड़े विषयों को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने में उनकी भूमिका के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अक्षय कुमार-परेश रावल विवाद पर राजपाल यादव ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'हम सब एक परिवार की तरह काम करते हैं'

अभिनेता राजपाल यादव ने हाल ही अमर उजाला से खास बातचीत में सिनेमा की दुनिया में काम करने के तौर-तरीके पर बात की। इस दौरान उनसे फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर अक्षय कुमार और परेश रावल के बीच हुए कथित विवाद के बारे में पूछा गया। जानिए उन्होंने क्या कहा?

फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर कुछ समय पहले अभिनेता अक्षय कुमार और परेश रावल के बीच विवाद की खबरें सामने आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म से अचानक अलग होने के कारण अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी 'केप ऑफ गुड सिनेमा' ने परेश रावल पर करीब 25 करोड़ रुपये के नुकसान का दावा किया था। हालांकि बाद में मामला सुलझ गया। इसके बाद परेश रावल फिर से फिल्म से जुड़ गए। अब इस फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी की तिकड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी।

इसी विवाद को लेकर जब अमर उजाला ने अभिनेता राजपाल यादव से सवाल किया, तो उन्होंने इस मुद्दे पर सीधे टिप्पणी करने से बचते हुए कलाकारों के रिश्तों और इंडस्ट्री के माहौल पर बात की। राजपाल ने कहा, 'देखिए, हम लोग सब बहुत क्रिएटिव लोग हैं। हम एक-दूसरे के साथ काम करते हुए लगातार सीखते रहते हैं। जब साथ काम करते हैं तो सब एक परिवार की तरह हो जाते हैं। सभी का एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छा व्यवहार होता है। 'एक्शन' बोलते ही हम अपने किरदार में उतर जाते हैं, जैसे एक-दूसरे के दुश्मन हों। लेकिन जैसे ही 'कट' होता है, हम एक-दूसरे को गले लगा लेते हैं। यही फिल्म मेकिंग का तरीका है। यही प्यार सबको जोड़कर रखता है।'

अक्षय और परेश के साथ काम करने का अनुभव

अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ काम करने के अनुभव पर राजपाल यादव ने कहा कि उनके साथ काम करते हुए एक खास बॉन्ड बन जाता है। उन्होंने कहा, 'हमने बॉलीवुड में कई लीडिंग एंटरटेनर स्टार्स के साथ काम किया है। अक्सर ऐसा होता है कि एक बार साथ काम करने के बाद दूसरी और तीसरी बार भी साथ काम करने का मौका मिल जाता है। अक्षय भाई और परेश भाई के साथ भी हमने कई फिल्में साथ की हैं। समय के साथ अनुभव बढ़ता जाता है। इसके साथ-साथ आपसी बॉन्ड भी मजबूत होता जाता है। जब हम तीन-चार फिल्में साथ कर लेते हैं तो ऐसा लगता है जैसे बीच में कोई दूरी आई ही नहीं।'

मल्टी स्टारकास्ट फिल्मों में सीखने को मिलता है बहुत कुछ

राजपाल यादव ने यह भी कहा कि मल्टी स्टारकास्ट फिल्मों में काम करना अपने आप में अलग अनुभव होता है। उन्होंने कहा, 'अक्षय भाई, परेश भाई, असरानी सर और जितने भी ये चेहरे आप देख रहे हैं, इन सबके साथ मुझे अलग-अलग फिल्मों और अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिला है। ये सभी इतने लेजेंड कलाकार हैं कि इनके साथ काम करते हुए हर बार कुछ नया सीखने को मिलता है। हर कलाकार से अलग-अलग तरीके से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलता है।'

शिल्पा शिरोडकर ने नए प्रोजेक्ट्स को लेकर की खुलकर बात, बोलीं- 'मुझे और काम चाहिए...'

शिल्पा शिरोडकर ने 'बिग बॉस 18' में शानदार खेल दिखाया। इसके बाद उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ फिल्म 'जटाधारा' में काम किया। शिल्पा ने अपनी आने वाली फिल्म और सीरीज को लेकर बातचीत की और साथ ही कहा कि वह और काम करना चाहती हैं।

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड के साथ एक इंटरव्यू में शिल्पा ने अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे काम चाहिए।' उन्होंने बताया कि वो एक वेब सीरीज कर रही हैं औक एक फिल्म भी कर रही हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होगी। उन्होंने बताया कि वह साल के आखिर तक व्यस्त रहेंगी। लेकिन उन्हें और काम चाहिए।

लोगों से मांगती हैं काम

शिल्पा ने ये भी बताया कि वो लोगों से मिलती हैं या उनका नंबर होता है तो बिना झिझक के काम मांगती हैं। वो उन लोगों से कहती हैं, 'भाई, मुझे काम चाहिए, कोई अच्छा प्रोजेक्ट हो तो दे दो।' उन्हें लगता है कि काम मांगने में कोई बुराई नहीं है।

सोशल मीडिया रहती हैं एक्टिव

शिल्पा इंस्टाग्राम पोस्ट करके अपने सभी फैंस को खुश कर देती हैं। हाल ही में उन्होंने 'बिग बॉस 18' के अपने अच्छे दोस्त चुम और करण वीर मेहरा के साथ एक फोटो शेयर की। तीनों पारंपरिक कपड़ों में दिखे और कैप्शन था, 'मेरे सभी चमवीर के लिए'। फैंस अब उनकी नई फिल्मों और वेब सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या है शिल्पा का महेश बाबू से रिश्ता

शिल्पा शिरोडकर, 90 के दशक की प्रसिद्ध अभिनेत्री है। शिल्पा तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर की बहन हैं। शिल्पा की छोटी बहन नम्रता शिरोडकर की शादी महेश बाबू से हुई है, जिससे वे दोनों करीबी रिश्तेदार बन गए।

हर्षित रेड्डी की फिल्म दीवाना का टीज़र रिलीज़

हर्षित रेड्डी की फिल्म दीवाना का टीज़र अब रिलीज़ हो चुका है; गीता फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स इस फिल्म को इस गर्मी में रिलीज़ कर रहे हैं। दीवाना में हर्षित रेड्डी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि स्मेहा मणिमेगलाई तेलुगु दर्शकों के सामने नायिका के रूप में नज़र आ रही हैं। फिल्म का निर्माण वासुदेव कोप्पिनेनी और श्रीदेवी कार्यमपुडी अरहा मीडिया और वी स्टूडियोज के बैनर तले कर रहे हैं। निर्देशक श्रीकांत संगीशेट्टी फिल्म को एक खूबसूरत प्रेम कहानी के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। दीवाना इस गर्मी में भव्य सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

दीवाना का टीज़र आज रिलीज़ हुआ। टीज़र देखकर मणिरत्नम शैली की रोमांटिक फ़िल्मि का एहसास होता है। टीज़र से पता चलता है कि हीरो एक शादी समारोह में नायिका को देखते ही पहली नज़र में उससे प्यार कर बैठता है। उस पल से, वह उसकी पूरी दुनिया बन जाती है। हालाँकि उसके दोस्त उसे चेतावनी देते हैं कि उसके परिवार के साथ जुड़ना खतरनाक हो सकता है, लेकिन वह उनकी बात सुनने से इनकार कर देता है। क्या लड़की उसके गहरे प्यार का जवाब देती है या नहीं, यह दर्शकों को सिनेमाघरों में ही पता चलेगा

टीज़र में प्रेमा इदि प्रेमा गुंडेलोना सादिरेपेडे प्रेमा... गाने का बैकग्राउंड म्यूज़कि दिल को छू लेने वाला है। टीज़र के अंत में, ये लड़कियाँ जितनी खूबसूरत होती हैं, उतना ही ज़्यादा तुम्हें तकलीफ देती हैं वाला संवाद उत्सुकता जगाता है। कुल मिलाकर, टीज़र से संकेत मिलता है कि दीवाना एक गहन और खूबसूरत संगीतमय प्रेम कहानी प्रस्तुत करेगा।

टीज़र ने ज़बरदस्त प्रभाव डाला है। टीज़र खत्म होने के बाद भी गाना मन में गूंजता रहता है। दृश्य बेहद यथार्थवादी और खूबसूरत लगते हैं। मुख्य जोड़ी पर्दे पर बिल्कुल नई और आकर्षक लग रही है, और नई नायिका स्मेहा मणिमेगलाई बेहद खूबसूरत और प्रभावशाली दिख रही हैं।

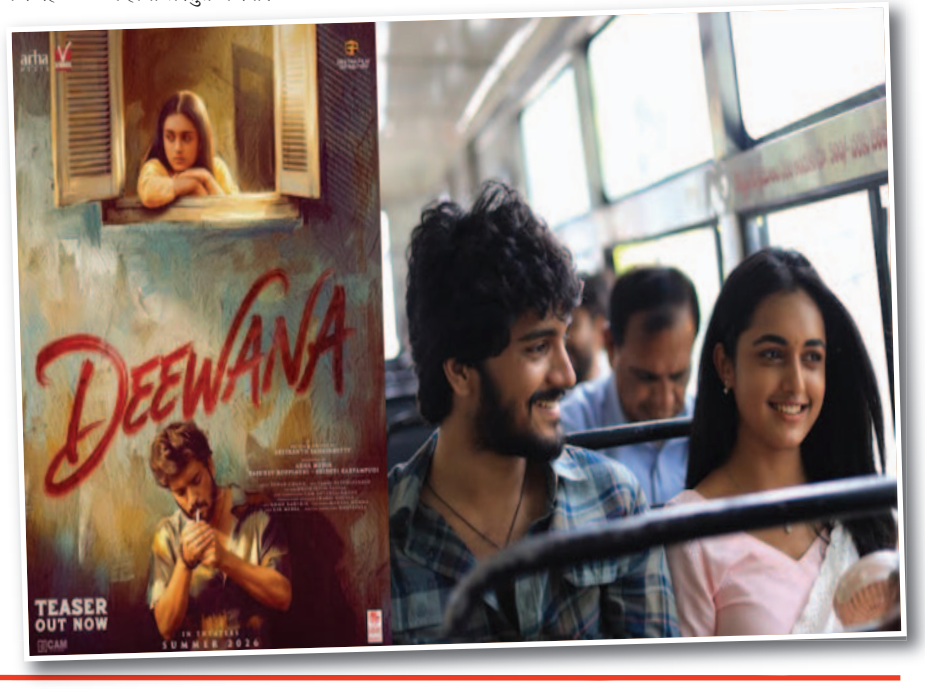

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com